हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 23, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 21 जुलाई, 2023 दिन शुक्रवार | गाजीपुर/वाराणसी

सरकार तुरंत कार्रवाई करे, वर्ना हम करेंगे

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना पर भड़के चीफ जस्टिस

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो हुआ वह पूरा तरह अस्वीकार्य है। सरकार इस पर तुरंत कार्रवाई करे। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो हम करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक टकराव के क्षेत्र में महिलाओं को किसी चीज की तरह इस्तेमाल करना संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि घटना का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी परेशान करने वाला है। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि हम सरकार को थोड़ा समय दे रहे हैं। अगर आगे जमीन पर कुछ नहीं होता है तो हम खुद कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि इस घटना के जिम्मेदारों के खिलाफ जो भी कार्रवाई हो, उसके बारे में कोर्ट को पूरी जानकारी दी जाए। मीडिया में जो भी इस घटना के बारे में दिखाया गया और इस हिंसा के बीच महिलाओं

का इस्तेमाल संवैधानिक लोकतंत्र की भावनाओं के खिलाफ है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार इस बारे में सभी कदमों की जानकारी दे। सीजेआई ने इस मामले की सुनवाई अगले शुक्रवार तक टाल दी।

चार मई की घटना- दरअसल, मणिपुर इन दिनों जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो को लेकर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव फैल गया है, जिसमें दो महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो चार मई का है और दोनों महिलाएं कुकी समुदाय से हैं, वहीं जो लोग महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं वो सभी मैतई समुदाय से हैं। आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

'मणिपुर की बेटियों के दोषियों को सख्त सजा मिलेगी', पीएम बोले- घटना से बेहद दुखी हूं

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए मणिपुर की घटना पर दुख जताया है। पीएम ने कहा कि मणिपुर में दोनों बेटियों के साथ जो हुआ वो बेहद दुखद है और इस घटना ने पूरे देश का सिर झुका दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि घटना से मैं बहुत दुखी हूं और देश को विश्वास दिलाता हूं कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे देश के लिए अपमान है, क्योंकि इसने 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार किया है। मणिपुर में महिलाओं के साथ जो घटना हुई उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में कानून व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, "मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वे अपने-अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत करें, खासकर नारी की सुरक्षा के लिए और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करें।" उन्होंने कहा कि चाहे घटना राजस्थान, छत्तीसगढ़, मणिपुर या देश के किसी भी हिस्से की हो, राजनीति से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इससे पहले पीएम मोदी ने संसद सत्र के आगाज को लेकर कहा कि सभी सांसदों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और जनता के लिए सदन का सदुपयोग करना होगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सांसद लोक कल्याण के मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद के मानसून सत्र का उपयोग करेंगे और कहा कि चर्चा जितनी तेज होगी, जनहित में उतना ही बेहतर परिणाम निकलेगा।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में जा घुसी डीसीएम, 4 की मौत

मुरादाबाद। मैनाठेर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर करीब एक बजकर तीस मिनट पर मुरादाबाद संभल रोड पर ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से डीसीएम घुस गई। इस हादसे में डीसीएम में सवार चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, मैनाठेर थाने से करीब 200 मीटर दूर संभल रोड पर एक ट्रैक्टर ट्राली खड़ी थी। इसी दौरान संभल से मुरादाबाद की ओर जा रही डीसीएम पीछे से घुस गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। डीसीएम में फंसे घायलों को बाहर निकाल कर 108 नंबर एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने चार घायलों को मृत घोषित कर दिया है। जबकि गंभीर रूप से घायलों का इलाज किया जा रहा है। मैनाठेर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। डीसीएम आगरा से रामपुर स्वार जा रही थी।

'मणिपुर हिंसा से हिल गया हूं', दो महिलाओं की नग्न वीडियो पर अक्षय कुमार व ऋचा चड्ढा बोले

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, ऋचा चड्ढा और रेणुका सहाने मणिपुर में हुई हिंसा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करने वाली पहली हस्तियों में से हैं। मणिपुर में हुई हिंसा के दौरान भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नग्न घुमाने और फिर उनके साथ सामूहिक रूप से दुष्कर्म करने का भयावह वीडियो सामने आने के बाद तीनों हस्तियों ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर पुरुषों के एक समूह द्वारा दो महिलाओं को बिना कपड़ों के सड़क पर घुमाते हुए दिखाए जाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। घटना को लेकर मणिपुर के एक आदिवासी समूह ने दोनों महिलाओं को खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का भी आरोप लगाया है। इस घटना को लेकर और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर देशभर में काफी आक्रोश है। सोशल मीडिया पर आक्रोशित लोग लगातार अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अक्षय कुमार, ऋचा चड्ढा और रेणुका सहाने की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद अब कुछ बॉलीवुड अभिनेता भी सोशल मीडिया पर अपना विरोध जता रहे हैं। उन्होंने दोषियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। अक्षय कुमार ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए ट्विटर पर लिखा, "मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का वीडियो देखकर हिल गया, मैं निराश हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि दोषियों को इतनी कड़ी सजा मिलेगी कि कोई भी दोबारा ऐसी भयावह हरकत करने के बारे में ना सोचे।" इस बीच, ऋचा चड्ढा ने वायरल वीडियो के बारे में एक और पोस्ट ट्वीट किया और इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, शर्मनाक! भयानक! अधर्म! अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मणिपुर हिंसा की वीडियो देखकर मैं भयभीत हूं, कि यह मई में हुआ और इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शर्म आनी चाहिए उन लोगों को जो सत्ता के नशे में चूर ऊंचे घोड़ों पर बैठे हैं, मीडिया में जोकर उन्हें चाट रहे हैं, मशहूर हस्तियां चुप हैं। प्रिय भारतीयों, हम यहां कब पहुंचे? रेणुका सहाने ने हिंसा को नियंत्रित करने में सरकार की विफलता की ओर इशारा किया और सवाल किया कि क्या मणिपुर में अत्याचारों को रोकने वाला कोई नहीं है? उन्होंने कहा, "क्या मणिपुर में अत्याचार रोकने वाला कोई नहीं है? यदि आप दो महिलाओं के उस परेशान करने वाले वीडियो से अंदर तक नहीं हिले हैं, तो क्या खुद को इंसान कहना भी सही है, भारतीय या इंडियन तो छोड़ ही दें!"

सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक पीठ को भेजा दिल्ली अध्यादेश मामला, पांच जजों की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली अध्यादेश का मामला संवैधानिक पीठ को भेज दिया है। पांच जजों वाली संवैधानिक पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। बता दें कि अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए थे कि वह इस मामले को संवैधानिक पीठ के पास भेज सकते हैं। गुरुवार को फिर से दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को पांच जजों की संवैधानिक पीठ के पास भेजने का आदेश दिया। दिल्ली अध्यादेश 2023 के तहत राजधानी दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति का अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है। इस अध्यादेश के तहत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी सिविल सर्विसेज अथॉरिटी का गठन किया है। इस अथॉरिटी में दिल्ली के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुख्य सचिव और प्रधान गृह सचिव को सदस्य बनाया गया है। यह अथॉरिटी ही दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और

तबादले का फैसला करेगी। हालांकि इस अथॉरिटी में मतभेद होने पर अंतिम फैसले का अधिकार उपराज्यपाल को दिया गया है। दिल्ली में प्रशासन को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच रस्साकशी चल रही है। इसके चलते यह विवाद सुप्रीम कोर्ट गया, जहां 11 मई को दिए अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति का अधिकार चुनी हुई सरकार को दिया है। वहीं दिल्ली पुलिस, जमीन और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े अधिकार केंद्र को दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार 19 मई को एक अध्यादेश लेकर आई, जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का नाम दिया गया। गुरुवार से संसद का मानसून सत्र शुरू हो चुका है और केंद्र सरकार इसी सत्र में इस अध्यादेश को पास कराकर कानून बनाने की कोशिश करेगी। वहीं दिल्ली सरकार इस अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी पार्टियों का समर्थन जुटाने में लगी है। कांग्रेस, टीएमसी समेत कई विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे पर दिल्ली सरकार के समर्थन की बात भी कह चुकी हैं।

सीमा हैदर के पास मिला ऐसा पासपोर्ट, न नाम और न ही एड्रेस...देखकर जांच एजेंसियां भी चौंकी

नोएडा। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के पास से यूपी पुलिस को पासपोर्ट और कई मोबाइल मिले हैं। इसके अलावा भी कई और दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सीमा पार से भारत आई सीमा हैदर के मामले में डीजीपी कार्यालय ने जानकारी दी गई है। सीमा हैदर के के पास से पांच पाकिस्तान अधिकृत पासपोर्ट मिले हैं। इन पासपोर्ट में से एक ऐसा पासपोर्ट मिला है, जिसमें आधी अधूरी जानकारी है। अब यूपी पुलिस की टीम सीमा के पास मिले मोबाइल फोन और पासपोर्ट की जांच कर रही है। फिलहाल यूपी एटीएस की टीम ने सीमा-सचिन और सचिन के पिता को दो दिन की पूछताछ के बाद छोड़ दिया है। बुधवार को लखनऊ स्थित डीजपी कार्यालय के अनुसार, सीमा हैदर के पास से दो वीडियो कैसेट, चार मोबाइल फोन, पांच पाकिस्तान अधिकृत पासपोर्ट, अधूरे नाम और पते के साथ एक अप्रयुक्त पासपोर्ट (जिसमें न तो नाम है और न ही पता पूरा दर्ज है) और आईडी कार्ड बरामद किया गया है। डीजीपी कार्यालय ने मुताबिक, सीमा अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई और जिला पुलिस इस संबंध में जांच कर रही है। अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि सीमा गुलाम हैदर व सचिन मीणा साल 2020 में पबजी ऑनलाइन गेम के माध्यम से संपर्क में आए थे। सीमा 10 मार्च 2023 को नेपाल पहुंची तो इसी दिन सचिन भी वहां पहुंच गया। दोनों साथ रहे। 17 को सीमा पाकिस्तान वापिस चली गई पर इसके बाद11 मई को वह अपने चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान से काठमांडू होते हुए अनधिकृत रूप से भारत आ गई। मामला थाना रबूपुरा में दर्ज कराया गया। जिसमें सचिन मीणा, सीमा गुलाम हैदर और नेत्रपाल उर्फ नित्तर (सचिन मीणा के पिता) को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वर्तमान में सभी जमानत पर बाहर हैं। मामले की पड़ताल की जिम्मेदारी यूपी एटीएस को सौंपी गई।

पहलवानों से यौन उत्पीड़न केस में बृजभूषण शरण को जमानत मिलेगी या नहीं, कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपित भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। ताजा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह की नियमित जमानत याचिका पर फिलहाल शाम चार बजे तक के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया है। इस बीच, कोर्ट में कहा कि दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि वह जमानत याचिका का न तो विरोध कर रहे हैं और न ही समर्थन कर रहे हैं, उनका कहना केवल इतना है कि इस पर कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार यानी 18 जुलाई को बृजभूषण शरण सिंह को पहलवानों के यौन शोषण के मामले में राहत मिली थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को मामले में बृजभूषण और उनके सह आरोपित विनोद तोमर को दो दिन की अंतरिम जमानत दी थी। इस दौरान बृजभूषण भारी पुलिस सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश हुए थे। अब आज 20 जुलाई को आरोपितों की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। पिछली सुनवाई के दौरान एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल की कोर्ट ने कहा था कि मामले की अगली सुनवाई के दौरान नियमित जमानत याचिका पर बहस के बाद निर्णय लिया जाएगा। कोर्ट ने आरोपितों के विरुद्ध दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेकर सात जुलाई को समन जारी कर पेश होने के आदेश दिए थे। बृजभूषण के वकील ने कोर्ट को बताया था कि यह बिना गिरफ्तारी का आरोपपत्र है। इस पर जमानत याचिका दाखिल कर दी गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव पेश हुए। कोर्ट ने पूछा कि जमानत के लिए आपके क्या तर्क हैं? दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन्होंने बृजभूषण को गिरफ्तार नहीं किया है। बृजभूषण के वकील राजीव मोहन ने दलील रखी कि पुलिस ने मामले में जो भी धाराएं लगाई हैं उनमें किसी में भी पांच साल से ज्यादा सजा का प्रवाधान नहीं है।

मणिपुर हिंसा पर अखिलेश का भाजपा पर हमला, बोले- बहन-बेटियों के परिवारवाले बीजेपी की ओर देखने से पहले सोचेंगे

लखनऊ। मणिपुर हिंसा के दौरान दो आदिवासी महिलाओं से दुष्कर्म और नग्न कर वीडियो बनाने की घटना से पूरा देश उबल उठा है। इस घटना से राजनीतिक सरगर्मियां अफने उफान पर हैं। एक ओर पीएम मोदी ने इस घटना के दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही है वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले में भाजपा पर हमला बोला है। अखिलेश ने इस शर्मनाक घटना के लिए भाजपा की वोट की राजनीति और आरएसएस की नफरत को इसका जिम्मेदार बताया है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि मणिपुर के हालात के लिए आरएसएस की नफरत की नीति और भाजपा की वोट की राजनीति जिम्मेदार है। बहन-बेटियों के परिवारवाले अब तो भाजपा की ओर देखने तक से पहले एक बार जरूर सोचेंगे। मणिपुर में सभ्यता का चीरहरण हुआ है और संस्कृति का पाताल-पतन। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर भाजपा पर हमला बोला। स्वामी प्रसाद ने सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर में कुकी आदिवासी महिलाओं को नग्न कर जो अमानवीय और बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया गया है, अत्यंत शर्मनाक व दर्दनाक व निंदनीय है।

रायगढ़ में भूस्खलन से 13 की मौत, 100 के करीब लोग दबे, गृह मंत्री रख रहे घटना पर नजर

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल रायगढ़ में हुए भूस्खलन में 30 से ज्यादा परिवारों के फंसे होने की आशंका है। बता दें कि रायगढ़ की खालापुर तहसील के इरशालवाड़ी गांव में यह हादसा हुआ, जिसमें करीब 100 लोग फंसे हुए हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वह मोरबी बांध से छह किलोमीटर दूर है। हादसे में कई लोगों को मारे जाने की आशंका है। अभी तक 13 लोगों की मौत की खबर है। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, तीन लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी घटनास्थल पहुंचे हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने घटना पर सीएम से बात की और इस घटना पर निगरानी रख रहे हैं। रायगढ़ के जिलाधिकारी योगेश महासे ने बताया कि घटना मध्य रात्रि की है। एक टीम, जिसमें सब डिविजनल ऑफिसर और तहसीलदार शामिल हैं, घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। जिलाधिकारी ने बताया कि भूस्खलन जिस जगह हुआ, वहां पहुंचने के लिए दो घंटे की चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण है। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अधिकारियों को फोन कर घटना की जानकारी ली और गुरुवार

सुबह वह घटनास्थल पहुंच गए। वहीं पनवेल और नवी मुंबई के सभी अस्पतालों को सूचित कर दिया गया है और उन्हें प्रभावितों को सभी जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मौसम विभाग ने गुरुवार को रायगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने एनजीओ से अपील की है कि वह एनडीआरएफ की मदद के लिए आगे आएं ताकि जल्द से जल्द बचाव कार्य को पूरा किया जा सके। एनडीआरएफ की दो टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। साथ ही चार एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां आदिवासी लोग रहते हैं। हादसे में घटनास्थल पर पांच-छह मकान और एक स्कूल सुरक्षित बच गए। बारिश के चलते 10-12 लोग स्कूल में रुके हुए थे, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। वहीं पांच लोग मछली पकड़ने मोरबी बांध गए हुए थे, उनकी भी जान बच गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से फोन पर घटना की जानकारी ली है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'महाराष्ट्र के रायगढ़ में तेज बारिश से हुए भूस्खलन के संबंध में मैंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बात की। एनडीआरएफ की चार टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ बचाव कार्यों में जुटी हैं। लोगों को वहां से निकालना व घायलों को तुरंत उपचार देना हमारी प्राथमिकता है।'

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को मिली 30 दिन की पैरोल, सुनारिया जेल से जाएगा बागपत आश्रम

रोहतक। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मंजूर हुई है। हालांकि, अभी तक कोर्ट में बेल बॉन्ड नहीं भरे गए हैं। बेल बॉन्ड भरने के बाद ही सारी जानकारी सामने आएगी। उल्लेखनीय है कि इस बार भी राम रहीम यूपी के बागपत स्थित बरनावा आश्रम में ही रहेगा। इससे पहले, उसके लिए सिरसा से घोड़े और गाय पहुंचाए गए हैं और वहां पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राम रहीम के वकील पैरोल के लिए बेल बॉन्ड की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अदालत में गए हुए हैं। कैदी को जेल से 1 साल में 70 दिन की पैरोल पर बाहर जाने का प्रविधान है। 40 दिन की पैरोल राम रहीम पहले ही ले चुका है। 30 दिन की पैरोल वर्ष 2023 में अभी लेना बाकी है। राम रहीम के जेल से बाहर निकलने की उम्मीद आज देर शाम और कल सुबह जल्दी की है। अगर आज बेल बॉन्ड की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो शुक्रवार को सुबह राम रहीम को जेल से बाहर भेजा जाएगा। राम रहीम को पैरोल उत्तर प्रदेश के बागपत के बरनावा आश्रम में भेजने के लिए मिली है। राम रहीम

को अगस्त 2017 में पंचकूला में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने दो महिला अनुयायियों के साथ दुष्कर्म के आरोप में दोषी ठहराया था। वहीं, 8 अक्टूबर 2021 को कोर्ट ने पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में राम रहीम और चार अन्य को दोषी ठहराया था। रणजीत सिंह की 2002 में डेरा सच्चा सौदा के परिसर में हत्या कर दी गई थी।

संपादकीय

राज्य सरकार व राज्यपाल के बीच खींचतान चिंता का विषय

पिछले कुछ समय में अलग-अलग मसलों पर विभिन्न राज्य सरकारों और राज्यपाल के बीच जिस तरह की खींचतान देखी गई है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि ऐसे टकराव का हासिल क्या है और इससे आखिरी तौर पर किसका हित प्रभावित होता है। हाल ही में पंजाब के राज्यपाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिख कर बताया कि पिछले महीने आयोजित विधानसभा का दो-दिवसीय सत्र कानून एवं प्रक्रिया का उल्लंघन था। इसलिए वे इस सत्र के दौरान पारित चार विधेयकों की वैधता को लेकर अटार्नी जनरल यानी महान्यायवादी की सलाह लेने या राष्ट्रपति के पास भेजने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। यानी राज्य विधानसभा में पारित इन विधेयकों के कानून बनने के लिए उस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर का मामला भी इसका कोई हल निकलने तक रुका रहेगा। जाहिर है, राज्यपाल के इस पत्र के बाद राज्य में आम आदमी पार्टी यानी आप सरकार और राजभवन के बीच गतिरोध में और तीव्रता ही आएगी, जो पहले ही कई मुद्दों पर सार्वजनिक होती रही है। इसी कड़ी में आप की ओर से यह दावा किया गया कि राज्यपाल का रुख राज्य की विधानसभा के अधिकार की उपेक्षा करता है और साथ ही यह आम लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश है। सवाल है कि अगर राज्यपाल ने पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठाए हैं, तो क्या उसका कोई कानूनी आधार नहीं है! राज्यपाल ने अपने पत्र में साफ कहा है कि संबंधित सत्र कानून एवं प्रक्रिया का उल्लंघन था। इस आपत्ति का कोई तकनीकी और उचित जवाब देने के बजाय आम आदमी पार्टी की ओर से अगर अपनी दलीलों में भावुकता का सहारा लिया जाता है तो उसे कैसे देखा जाएगा। इसके अलावा, राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच यह टकराव अगर लंबा खिंचता है और इसका असर नीतिगत कार्यक्रमों के अमल में आने या अन्य जटिल हालात पैदा होने से जनता का हित बुरी तरह प्रभावित होता है तो उसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाएगा। यह छिपा नहीं है कि पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और दोनों ही राज्यों में अधिकार क्षेत्र को लेकर राज्यपालों के साथ एक तरह के टकराव में निरंतरता बनी हुई है। दोनों एक दूसरे पर संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते रहे हैं। पंजाब में विधानसभा का सत्र बुलाने, राज्यों के मामलों को चलाने के तरीके, नियुक्तियों और सदन में सरकार को मेरी सरकार कह कर संबोधित करने जैसे मुद्दों पर यह टकराव खुल कर सामने आया है। यों देश के कई राज्यों में राज्यपाल और वहां की सरकार के बीच अलग-अलग वजहों से टकराव के मामले सामने आते रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु, केरल आदि कुछ राज्यों में भी राज्यपालों के रुख की वजह से सरकारों के साथ तीखे टकराव की स्थिति पैदा हुई। लेकिन खासतौर पर दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद शासन के मामले में अधिकारों और सीमाओं को लेकर राज्यपालों के साथ एक विचित्र कड़वाहट का माहौल बना है। जबकि राज्यपाल और सरकार के आमने-सामने खड़े दो पक्ष बनने के बजाय होना यह चाहिए था कि दोनों तरफ से अहं को किनारे कर सौहार्दपूर्ण माहौल में कानून और प्रक्रिया के मुताबिक तकनीकी सवालों का हल निकाला जाता, ताकि आम जनता के हितों का नुकसान न हो। इसके लिए किसी बहस को टकराव की हद तक ले जाने के बजाय बेहतर शायद यह है कि देश के संविधान में दर्ज राज्यपाल और सरकार के अधिकार और सीमाओं पर गौर किया जाए।

सुनते नहीं पुकार!

आ रहीं जो खबरें ।
हुआ दुर्व्यवहार ।।
ना है यह समाज में ।
बर्दाश्त इस प्रकार ।।
है क्या ये मजबूरी ?
हुआ ना उपाय ।।
है कैसा समझौता ?
बनते ना सहाय ।।
त्राहिमाम हो रही ।
सुनते नहीं पुकार ।।
देश समाज देख रहा ।
हुआ जो अत्याचार ।।
कार्रवाई हो कड़ी ।
दो अब निद्रा त्याग ।।
वहशी और दरिंदों से ।
है कैसा अनुराग ?

–कृष्णेन्द्र राय

गहलोत ने जो चाल चली है उससे राजस्थान में बदल सकता है हर चुनाव में सत्ता बदलने का रिवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। चुनावों में अब कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। प्रदेश में सत्तारुढ़ होने के कारण कांग्रेस पार्टी को सत्ता विरोधी माहौल का भी सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में पिछले तीस वर्षों से परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस और दूसरी बार भाजपा की सरकार बनती है। ऐसे में मुख्य विपक्षी दल भाजपा को आशा है कि राज बदलने की परंपरा को कायम रखते हुए प्रदेश में उनकी सरकार बने। मगर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस रिवाज को बदलने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत चाहते हैं कि प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाकर हर बार सरकार बदलने के रिवाज को समाप्त किया जाए। इसके लिए गहलोत लगातार लोगों से संपर्क साध रहे हैं। अशोक गहलोत के दोनों पैरों के अंगूठे में चोट लगने के कारण वह पिछले कई दिनों से अपने आवास से ही वर्चुअल माध्यम से लोगों से संपर्क कर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे तथा रामेश्वर डूडी नेता प्रतिपक्ष थे। उस समय कांग्रेस के पास मात्र 21 विधानसभा सीटें ही थीं। तब वसुंधरा राजे भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री थीं। भाजपा के पास 163 विधानसभा सीटें थीं। लेकिन राज बदलने का रिवाज व वसुंधरा राजे के खिलाफ आम जनता में पनपी सत्ता विरोधी लहर के चलते कांग्रेस 100 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। जबकि भाजपा मात्र 73 सीटों पर ही सिमट गई थी। तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनवाया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने बसपा के सभी 6 विधायकों का कांग्रेस में विलय करवा कर विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति मजबूत बना दी थी। वर्तमान में गहलोत सरकार को माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो, राष्ट्रीय लोक दल का एक व 13 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। वहीं भाजपा विधायकों की संख्या 73 से घटकर 70 पर आ गई है। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी 2020 में अपने ही उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की बगावत का सामना करना पड़ा था। सरकार बचाने के लिए गहलोत ने महीनों तक विधायकों को बाड़ेबंदी में रखा था। कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद सचिन पायलट अपना विद्रोह समाप्त कर कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल हो गए थे। हाल ही में कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में एक बड़ी बैठक कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ने का मंत्र दिया है। आलाकमान से हुई बैठक के बाद दोनों ही नेता एकजुटता से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले एक साल से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले बजट में प्रदेश के लोगों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की थी। जिनका क्रियान्वयन भी प्रारंभ हो गया है। पिछले तीन महीने तक राज्य सरकार ने गांव-गांव में महंगाई राहत कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करवाया है। उन कैंपों के माध्यम से सरकार ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं से भी आम आदमी को अवगत करवाया है। महंगाई राहत कैंपों के आयोजन से सरकार की छवि में काफी सुधार हुआ है। राज्य सरकार ने 60 साल से अधिक उम्र के वृद्धजन, विधवा महिलाओं और विकलांगों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि को भी बढ़ाकर न्यूनतम एक हजार प्रतिमाह कर दिया है। इसके साथ ही अनाथ बालिकाओं को पढ़ाई के लिये प्रतिमाह मिलने वाली राशि भी बढ़ाकर दोगुनी से अधिक कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में करीबन 76 लाख उज्जवला गैस कनेक्शन धारकों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं मिल रहा है। प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली प्रतिमाह तथा कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह निःशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही है। राजस्थान की सीमा में यात्रा करने वाली महिलाओं को सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में 50 प्रतिशत किराए में छूट दी जा रही है। स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं, विधवा व एकल रहने वाली महिलाओं को शीघ्र ही सरकार की तरफ से मोबाइल हैंडसेट प्रदान किए जाएंगे। जिनमें तीन साल तक इंटरनेट का डाटा भी फ्री मिलेगा। इसके अलावा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में फिर से शामिल किए जाने से आम लोगों के साथ ही कर्मचारी वर्ग में भी गहलोत सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल नजर आ रहा है। 2004 से देशभर में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया था। उसके बाद से ही कर्मचारी वर्ग पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते आ रहे थे। मगर किसी भी सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया था। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश भर में पहले नेता हैं जिन्होंने राजस्थान सरकार के कर्मचारियों को फिर से पुरानी पेंशन देने की शुरूआत की है।

संगठन की दृष्टि से भी राजस्थान में कांग्रेस कमेटी का नए सिरे से गठन कर दिया गया है। सभी जिला, नगर, ब्लाक व मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी लगातार जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं। हाल ही में जयपुर में कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक हो चुकी है। जिसमें सभी पदाधिकारियों को पूरी सक्रियता से क्षेत्र में काम करने के लिए कहा गया है। हालांकि पिछले वर्ष सितंबर में कांग्रेस आलाकमान द्वारा कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाने के लिए भेजे गए पर्यवेक्षकों प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन व मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में विधायक दल की मीटिंग का बहिष्कार करवाने वाले कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पर पार्टी आलाकमान ने कोई कार्यवाही नहीं की है। उल्टे शांति धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल को संगठन में प्रदेश महासचिव बना दिया गया है। इससे पार्टी कार्यकताओं में गलत संदेश जा रहा है।

विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस ने कर दिया दिल्ली, पंजाब और बंगाल में अपनी पार्टी के हितों का बलिदान

संतोष पाठक

पटना में विपक्षी दलों की बैठक में किए गए अपने वायदे को पूरा करते हुए बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की दूसरी बैठक से पहले ही कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी दलों की एकता के लिए दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पार्टी के हितों का बलिदान कर दिया है, लेकिन अब बड़ा सवाल यही खड़ा हो रहा है कि क्या आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस यानी राहुल गांधी के हितों का खयाल रखेंगे या नहीं ? सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को लगातार पीछे हटने की राय देने वाली ममता बनर्जी क्या अब अपने राज्य में कांग्रेस के हितों का ख्याल रखेंगी ? सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल विपक्षी दलों की एकता के बाद बनने वाले गठबंधन का नेतृत्व करने के मामले में कांग्रेस और राहुल गांधी के हितों का ख्याल रखेंगे ? क्या इनके बलिदान का मान रखेंगे ? दरअसल, कांग्रेस के दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल में बलिदान का यह मुद्दा इसलिए खड़ा हुआ क्योंकि कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश के नेता यह कतई नहीं चाहते थे कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी के साथ खड़ी नजर आए। भले ही वह मुद्दा दिल्ली सरकार के अधिकारों से जुड़े अध्यादेश का ही क्यों ना हो। यहां तक कि पंजाब में पिछले चुनाव में हार कर सत्ता से बाहर होने के बावजूद कांग्रेस के स्थानीय नेता पंजाब में पुरजोर ताकत से आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार के खिलाफ लड़ने का दावा कर रहे थे और इसलिए पंजाब कांग्रेस इकाई का भी यही कहना था कि मुद्दा चाहे कोई भी हो कांग्रेस को आम आदमी पार्टी का साथ नहीं देना चाहिए, अरविंद केजरीवाल का साथ नहीं देना चाहिए और कतई नहीं देना चाहिए। लेकिन अपने नेताओं की मांग और आम आदमी पार्टी के प्रति विरोध की भावना को दरकिनार करते हुए विपक्षी एकता के नाम पर कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस के हितों के विपरीत जाकर दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश का विरोध करने यानी अरविंद केजरीवाल का साथ देने का ऐलान कर दिया।

वहीं पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी ने लगातार तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। अधीर रंजन चौधरी भी लगातार यही कहते रहे हैं कि ममता बनर्जी के साथ समझौता करने का कोई सवाल नहीं उठता। लेकिन चूंकि मसला विपक्षी एकता का है इसलिए कांग्रेस ने अपने ही वरिष्ठ नेताओं और खासकर उन नेता की बात को नकार दिया जिन्हें कांग्रेस ने लोकसभा में अपने संसदीय दल का नेता बना रखा है। अधीर रंजन चौधरी के कड़े रुख के बावजूद कांग्रेस आलाकमान ने ममता बनर्जी के साथ खड़े होने का फैसला कर लिया है और शायद यही वजह है कि पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए पंचायत चुनाव के दौरान मारे गए कांग्रेस कार्यकताओं का मुद्दा राहुल गांधी द्वारा नहीं उठाए जाने पर भाजपा लगातार कांग्रेस आलाकमान को घेर रही है।

यह फैसला कर अब सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने गेंद अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के पाले में डाल दी है। कांग्रेस 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में लोक सभा की 543 सीटों में से 421 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। कांग्रेस आलाकमान इस बार भी 400 सीटों के आसपास चुनाव लड़ने का मन बनाए हुए है, लेकिन विपक्षी एकता के नाम पर अगर उसे कुछ सीटें कुर्बान भी करनी पड़े तो कांग्रेस ऐसा करने को तैयार है। हालांकि इसके बावजूद पार्टी यह कतई नहीं चाहेगी कि वह किसी भी सूरत में 370 सीट से कम पर चुनाव लड़े। ऐसे में जाहिर है कि अब कांग्रेस यह उम्मीद करेगी कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस को लोकसभा की अच्छी-खासी सीटें दें और यही उम्मीद पार्टी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी से भी रखेगी।

अगर विपक्षी दल सीट शेयरिंग के आधार पर भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला करती है तो कांग्रेस यह चाहेगी कि केजरीवाल राज्य संभाले लेकिन लोकसभा में उन्हें ज्यादा सीटें दें। कांग्रेस यह चाहेगी कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में पार्टी के खाते में कम से कम 4 सीटें जरूर आएं। पंजाब में भी लोक सभा की कुल 13 सीटों में से कांग्रेस 7-9 से कम सीटों पर लड़ने को तैयार नहीं होगी। पश्चिम बंगाल में भले ही कांग्रेस के लोक सभा सांसदों की संख्या वर्तमान में 2 ही हो लेकिन अगर ममता बनर्जी मिल कर चुनाव लड़ने का फैसला करती हैं तो पार्टी राज्य की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 7-10 सीटों पर चुनाव जरूर लड़ना चाहेगी।

कांग्रेस अगर दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल में गठबंधन की गुत्थी सुलझा पाने में कामयाब हो जाती है तो फिर पार्टी इसी आधार पर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और बिहार में नीतीश कुमार-लालू यादव से भी ज्यादा से ज्यादा सीटें लेने की कोशिश करेगी। हालांकि क्षेत्रीय क्षत्रपों के रवैये को देखते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की त्रिमूर्ति के लिए यह बहुत चैलेंजिंग टॉस्क रहने जा रहा है।

दिल्ली में बाढ़ से उपजे विकट हालात के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?

देश की राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के रौद्र रूप के चलते बाढ़ का आपदाकाल चल रहा है। यमुना नदी में जल ने वर्ष 1978 के रिकॉर्ड 207.49 मीटर को तोडकर 208.66 मीटर के नये रिकॉर्ड तक जलस्तर बढ़ने से देश का दिल राजधानी दिल्ली की बहुत बड़ी आबादी बाढ़ की मार को झेलने के लिए मजबूर है। आज दिल्ली की 20 फीसदी आबादी यमुना के जल के प्रकोप से किसी ना किसी रूप से त्रस्त है। दिल्ली में यमुना के आसपास के क्षेत्रों में रह रहे लोगों के सामने यमुना नदी की बाढ़ एक बड़ी चुनौती के रूप में आकर खड़ी है।

दिल्ली में यमुना नदी के रौद्र रूप के चलते जबरदस्त बाढ़ आ गयी है, शहर की कॉलोनियों में जल भराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गयी है। जिसके बाद से ही देश में दिल्ली की बाढ़ पर राजनेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का बहुत ही जबरदस्त सियासी घमासान मचा हुआ है। दिल्ली की राजनीति में सक्रिय कोई भी राजनीतिक दल आपदा के इस अवसर पर अपनी सियासत चमकाने में पीछे नहीं रहना चाहता है। लेकिन हर वर्ष देश में कहीं ना कहीं बाढ़ की मार झेलने वाले आम आदमी के बीच देश में बाढ़ से बचाव के उचित प्रबंधन क्यों नहीं है, इस ज्वलंत मुद्दे के बारे में चर्चा हो रही है, लोग बाढ़ प्रबंधन को समय की मांग बता रहे हैं। वैसे भी देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में विभिन्न प्रकार की आपदाओं के कारण औसतन वार्षिक आर्थिक हानि 9.8 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें से अकेले ही 7 अरब डॉलर से अधिक का बहुत बड़ा नुकसान तो देश में समय-समय पर आने वाली बाढ़ के कारण ही हो जाता है, जो स्थिति हम सभी के लिए बेहद चिंताजनक है और जिस पर हमें व हमारे देश के सिस्टम को समय रहते लगाम लगाने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए, क्योंकि भारत जैसे गरीब देश के लिए हर वर्ष इतनी बड़ी आर्थिक क्षति से मुक्ति पाना बेहद जरूरी है।

वैसे भी जब से देश में अंधाधुंध अव्यवस्थित शहरीकरण तेजी से बढ़ा है तब से शहरी क्षेत्रों में जरा सी बारिश के बाद ही बाढ़ जैसा माहौल बन जाना एक आम बात होती जा रही है। इसके चलते ही पिछले कुछ वर्षों से जरा भी तेज बारिश के बाद ही दिल्ली के साथ देश के अन्य शहरों में बाढ़ जैसी गंभीर समस्या तत्काल उत्पन्न हो जाती है। देश में अचानक से आई बाढ़ पलक झपकते ही अपने रास्ते में आना वाले जान-माल सभी कुछ को जल प्रवाह के द्वारा लील कर अपने साथ बहाकर ले जाने के लिए तत्पर नजर आती है। हालांकि वास्तव में बाढ़ नदी के पानी का वह अतिप्रवाह है, जिसमें आमतौर पर सूखी रहने वाली भूमि भी डूब जाती है और नदी किनारे के क्षेत्रों में बाढ़ आने पर परिस्थितियाँ अचानक से गंभीर नहीं हो जातीं, लोगों को बाढ़ से जान-माल के बचाव करने का भरपूर समय मिलता है। वैसे भी किसी भी नदी का जैसे-जैसे जलस्तर बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे ही धरातल पर बाढ़ की समस्या भी गंभीर होती जाती है, इसलिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हमेशा बरसात के समय में. सजगता बरतनी बेहद आवश्यक होती है।

जब से दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंचा है, उसके चलते दिल्ली के 6 जिलों में बाढ से हाहाकार मचा हुआ है, पूरी दुनिया दिल्ली की बाढ़ को देख रही है। हालांकि 'केन्द्रीय जल आयोग' के रिकॉर्ड के अनुसार इस वर्ष यमुनानगर के हथिनीकुंड बैराज से सबसे ज्यादा 3.59 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि वर्ष 2019 और 2013 में 8 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया था, लेकिन उसके बाद भी यमुना नदी से लगे निचले इलाकों को छोड़कर बाढ़ की स्थिति इतनी खराब नहीं हुई थी, ऐसी स्थिति में सिस्टम के साथ-साथ देश के आम आदमी के लिए भी यह समझना महत्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर दिल्ली में बाढ़ क्यों आई है। हालांकि राहत की बात यह रही कि केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा समय रहते ही राहत व बचाव कार्य तेजी के साथ किये गये हैं, जिससे बाढ़ में कोई जान हानि नहीं हुई है। सरकार के द्वारा विस्थापितों के लिए 2700 राहत कैंप बनाये गये हैं। राहत व बचाव के लिए एनडीआरएफ की 16 टीम बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में लगातार काम में लगी हुई हैं, जरूरत के अनुसार सेना भी अपने दायित्व का निर्वहन कर रही है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से लगभग 23 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। उस सबके बावजूद भी दिल्लीवासियों के सामने बहुत सारी समस्याएं खड़ी हुई हैं, दिल्ली में पेयजल आपूर्ति करने वाले तीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हो गये हैं, जिससे दिल्ली को 25 फीसदी कम पेयजल मिलने के चलते पेयजल के संकट से जूझना पड़ रहा है। वहीं रिंग रोड व बाढ़ग्रस्त अन्य सड़कों को बंद करने के चलते दिल्ली में जगह-जगह भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया गया है, पुल पर मेट्रो की रफ्तार कम कर दी गयी है। वहीं रिवर बेड में बनी झुग्गी-झोपड़ियों के साथ-साथ दिल्ली के पॉश कॉलोनी व अन्य बेहद अहम स्थल आईटीओ, राजघाट, लालकिला, सिविल लाइंस, माडल टाउन, यमुना बाजार, मोनेस्ट्री, कश्मीर गेट, आईएसबीटी, निगमबोध घाट, रिंग रोड, पुराना किला, गढ़ी मांडू आदि क्षेत्रों में बाढ़ का जल सीना तानकर अभी तक खड़ा हुआ है। इस बाढ़ग्रस्त स्थिति के बीच ही देशवासियों के मन में एक सवाल निरंतर कौंध रहा है कि देश की राजधानी दिल्ली में बाढ़ की जो स्थिति बनी है, आखिरकार उसके लिए जिम्मेदार कौन है, बड़े पैमाने पर लोग इस सवाल का जवाब ढूंढ़ने में लगे हुए हैं।

लोटस ऑपरेशन या रिसॉर्ट राजनीति कहां तक सही?

भारतीय संविधान के 10वें अनुसूचि को 52वां संसोधन द्वारा 1985 में वर्णित दलबदल विरोधी अधिनियम को दरकिनार करते हुए 2008 को भारतीय जनता पार्टी को बहुमत दिलाने के लिए जब कर्नाटक राज्य के पूर्व मंत्री जी जनार्दन रेड्डी ने एक खास तरीके का इस्तेमाल किया जिसे ऑपरेशन लोटस का नाम दिया गया। 2008 में, खनन कारोबारी गली जनार्दन रेड्डी, जिन्होंने बीजेपी में प्रमुख भूमिका निभाई थी, को बहुमत हासिल करने के लिए विधायकों को जुटाने का काम सौंपा गया। रेड्डी ने कर्नाटक की राजनीति में ऑपरेशन कमल का एक नया अध्याय शुरू किया। येदयुरप्पा के कहने पर उन्होंने न केवल तीन, बल्कि 15 विधायक जुटा लिए थे। ये सब कांग्रेस और जेडीएस से अलग हुए विधायक थे। इन विधायकों को बेहतरीन रिसॉर्ट्स और पांच सितारा होटलों में शानदार सुविधाएं दी गई। येदयुरप्पा ने उन्हें इस्तीफा दिला दिया और बाद में उनमें से अधिकतर को बीजेपी के टिकट पर फिर से चुनाव लड़ाया और उन्हें मंत्री बना दिया. हालांकि, इससे उनकी पार्टी में नाराजगी भी फैली. 2004, 2006, 2008, 2009 और 2012 में अस्थिर सरकारों के बीच कर्नाटक में रिसॉर्ट राजनीति का चरम देखा गया और कांग्रेसी नेता भी इस खेल में शामिल हुए. मौजूदा केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार, उनके भाई, डीके सुरेश, एमबी पाटिल, रोशन बेग, केजे जॉर्ज सहित कई दूसरे नेताओं का इस्तेमाल कांग्रेस ने कई बार, न केवल कर्नाटक के विधायकों, बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों के विधायकों की सुरक्षा के लिए किया. इसी तरह आगे चलकर 2020 के मध्यप्रदेश में, 2021 में कर्नाटक में, 2022 में महाराष्ट्र में बी जे पी ने अपनी सरकार बनाने के लिए किया । जिसका सीधा संबंध मुख्य रूप से उनकी प्रतिद्वंद्वी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (आईएनसी) द्वारा अन्य दलों के विधायकों और सांसदों की "अवैध शिकार" या "रिश्वत" देना है, ताकि अक्सर उन राज्यों में सरकार बनाई जा सके जहां उनके पास बहुमत नहीं है। इस प्रकार की राजनीति की अवसरवाद की राजनीति में परिणीति एक अपाहिज राजनीति का उदाहरण है जबकि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश मे एक स्वास्थ राजनीति की आवश्यकता है जिसमे स्वहित न होकर जनहित समाहित हो।

सूची पाठक
रिसर्च स्कॉलर (जी जी यू)

स्कूलों द्वारा संचालित डग्गामार वाहनों से नौनिहालों की जान जोखिम में

वाहनों के फिटनेस और चालकों की कभी नही होती जांच पड़ताल

प्रखर जौनपुर । शाहगंज क्षेत्र और आसपास में अधिकांश देखने को मिल जाता है की स्कूलों द्वारा संचालित डग्गामार वाहनों से नौनिहालों के जान को खतरे में डालकर कथित स्कूल संचालन अभिभावकों से वाहन सुविधा के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। हद तो तब हो जाती है जब इन्ही मासूमों को ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा, मैजिक आदि वाहनों में ठूस ठूस कर भरा जाता है जिनमे गर्मी और उमस के इस मौसम में बच्चों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है।और तो और इतना देखने और सुनने के बाद भी सम्बंधित विभाग आँखे मूंदे पड़ा रहता है।शायद ही कभी ऐसे स्कूल संचालकों द्वारा संचालित ऐसे वाहनों के फिटनेस और मानकों की जाँच की जाती हो।दूसरी बात ऐसे वाहन द्वारा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं ऐसे वाहनों पर न तो स्कूलों का नाम होता है और न आपात समस्या से निपटने के लिए कोई व्यवस्था।मगर फिर भी सब कुछ चलता है। और ऐसे ही निरन्तर चलता रहता है।अभी दो दिन पूर्व ही आजमगढ़ जनपद के

एक स्कूल बस के दो पहिये अचानक से निकल जाते है ।ऊपर वाले का शुक्र कहिए की बस में सवार स्कूल के 50 बच्चे बाल बाल बच जाते हैं।अक्सर सम्बंधित विभाग भी ऐसे लगता है जैसे किसी घटना होने का इंतजार करता हो। देखा जाता है की अक्सर डग्गामार वाहनों के चालक भी नौसिखिए होते है ।जिससे खतरे का और सँशय बना रहता है।इस सम्बंध में खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल का कहना है वाहनों की जांच पड़ताल की जिम्मेदारी आरटीओ विभाग का है उस विभाग में कोई शिकायत आती है तो कार्यवाई होती है। मेरे पास अभी तक ऐसा कोई शिकायत नही आया है।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ जांच कर होगी कठोर कार्यवाई-आर आई- वहीं जब इस सम्बंध में आरटीओ विभाग के आरआई अशोक कुमार श्रीवास्तव से पूछा गया तो उन्होंने कहा की डीएम साहब की अध्यक्षता में मीटिंग कर सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी और स्कूल संचालकों को वाहन सम्बंधित विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन के बारे में अवगत करा दिया गया था।और बराबर ही जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर अभिभावकों भी जागरूक करने का प्रयास होता है।इसके बाद भी अगर स्कूल संचालकों द्वारा अनफिट और डग्गामार वाहनों से बच्चों को स्कूल ले आने और ले जाने का कार्य हो रहा है तो ऐसे वाहनों की जांच पड़ताल कर कठोर कार्यवाई की जाएगी।

एसडीएम ने कुसरना गांव में स्कूली बच्चों के साथ किया पौधरोपण

प्रखर जौनपुर। केराकत क्षेत्र के कुसरना गांव में बृहस्पतिवार को अचानक एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा पहुच गयी। एसडीएम गांव के मंदिर के पास और विद्यालय परिसर में स्कूली बच्चों के साथ आम, अमरूद, जामुन, नीम, कटहल व सागौन के पौधे लगाया। एसडीएम नेहा मिश्रा ने पौधे लगाने के बाद बच्चों और ग्रामीणों को पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का निर्देश है कि गांवों में बढ़ चढ़कर पौधे लगाए जाय। जिससे गांव का हरा भरा वातावरण रहे। एसडीएम ने इन पौधों की रक्षा करने व उनकी देखरेख करने की जिम्मेदारी गांव के ग्राम प्रधान व सफाई कर्मियों को दी। एसडीएम ने बच्चों को बताया कि वृक्ष हमारे सबसे अच्छे मित्र होते हैं जो हमारे सुख दुख में हमेशा साथ रहते हैं छाया के साथ-साथ हमें जीवन देने वाली ऑक्सीजन हमें इन्हीं से प्राप्त होता है। अचानक एसडीएम को अपने बीच पाकर स्कूली बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान कुसरना गांव के ग्राम प्रधान व लेखपाल श्री राम सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्रक एसडीएम को सौंपा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में तैनात रसोइयों ने बकाए मानदेय के भुगतान व राज्य कर्मचारी का दर्जा देने समेत 9 मांगो के बाबत पत्रक एसडीएम पिंडरा को सौंपा। सुबह 10 बजे एक दर्जन से अधिक एमडीएम बनाने वाली रसोइया तहसील पिंडरा पहुँची और मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्रक जिसमें बकाए मानदेय के साथ मानदेय 21 हजार रुपए करने, राज्य कर्मचारी का दर्जा समेत 9 सूत्रीय मांग पत्र को एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा को सौंपा। इस दौरान संजू देवी, धनमती, प्रेमा, विमला, विद्या देवी, मालती, विनय समदेई, तथा कामरेड नेता अमरनाथ राजभर, गुलाब शर्मा समेत अनेक लोग रहे।

महिला उद्यमी ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। करखियाव स्थित एग्रो पार्क में गुरुवार को उद्यमियों ने क्लीन पार्क ग्रीन पार्क के तहत पौधरोपण किया। इसके श्रम दान कर पूर्व साफ सफाई की। ततपश्चात खाली जगहों पर पौधरोपण किया। वृक्ष लगाए जीवन बचाइए के स्लोगन के पौधरोपण अभियान की शुरूआत महिला उद्यमी ललिता गुप्ता ने की। उसके बाद अन्य उद्यमियो ने पौधरोपण किया। इस दौरान मनोज मद्धेशिया, आनंद जायसवाल, रवि गुप्ता, आदित्य गुप्ता, रत्नेश राय, विमल सिंह समेत अनेक लोग रहे।

रुद्रा समूह द्वारा काशी अनाथालय के बच्चों के बीच सेवा कार्य बांटा गया भोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रुद्रा समूह के प्रबन्ध निदेशक अरुण अग्रवाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर काशी अनाथालय, लहुराबीर के बच्चों के साथ यादगार पल व्यतीत किये उन्होंने बच्चों को भोजन व अन्य सामग्री वितरित की` अरुण अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की हमेशा हर सम्भव मदद करते रहना चाहिए यही हम सबके जीवन का उद्देश्य एवं समाज के प्रति कर्त्तव्य होना चाहिए उन्होंने काशी अनाथालय के लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया` उक्त अवसर पर काशी अनाथालय के पदाधिकारीगण व बच्चों सहित रुद्रा समूह के लोग उपस्थित रहें।

स्टाल लगाकर सस्ते दर पर टमाटर वितरण किया गया

प्रखर जौनपुर। इन दिनों बाजार में सब्जियों के भाव भारी वृद्धि देखने को मिल रही है इन दिनों में टमाटर 120 रुपए से लेकर 140 रुपए प्रति किलो भाव बाजार में लोगो खरीदने को मिल रहा है। जिससे आम लोगो के रसोई का बजट बिगड़ गया है। 30 से 35 रुपए किलो बिकने वाला टमाटर वर्तमान समय में ऊंचे दामों में बिक रहे हैं। टमाटर के दाम बढ़े होने के कारण लोग काम मात्रा में ही खरीदारी करते हुए नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में इन दिनों शीतला चौकियां नवीन सब्जी मंडी उपभोक्ता सहायता केन्द्र स्थल पर बढे हुए दाम से लोगो को निजात मिल पाए स्टाल लगाकर 80 रुपए प्रति किलो की दर से टमाटर ग्राहकों को दिया जा रहा है। मण्डी सचिव ध्रुव कुमार चौधरी ने बताया की इन दिनों टमाटर के बढ़े हुए दामों में भारी वृद्धि होने के कारण ही आम जनता के लिए इस मंहगाई से राहत देने के लिए मण्डी समिति उपभोक्ता सहायता केन्द्र से 80 रुपए प्रति किलो की फुटकर दर से आम लोगो को दिया जा रहा है। वही स्टाल पर सस्ते दामों में टमाटर मिलने पर लोगो की भारी भीड़ उमड़ रही है।

जिले में 5 बाढ़ प्रभावित स्थलों पर किया गया मेगा मार्क ड्रिल एक्सरसाइज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के समन्वय से उत्तर प्रदेश राज्य के 41 जनपदों मे बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज किया गया । इसी क्रम में आज जनपद गाजीपुर के पांच बाढ़ प्रभावित तहसील सदर, सैदपुर, जमानिया ,मुहम्दाबाद, सेवराई, के समस्त बाढ़ प्रभावित तहसीलों में बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन 9 बजे से आरंभ कर किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत जेटी कलेक्टरघाट, सदर तहसील में आज गुरुवार को सुबह समय 8:58 बजे शासन द्वारा अगले 3 घंटे में बाढ़ आने की जानकारी दिया गया। सुबह 8.59 मिनट पर ई०ओ०सी० द्वारा इन्सीडेन्ट कमाण्डर को घटना की जानकारी दी गयी। इन्सीडेन्ट कमाण्डर जिलाधिकारी द्वारा आई०आर०एस० की टीमों की त्वरितगति से कियाशील किया गया। कार्यक्रम स्थल पर वर्तमान तैनात टीम को सुबह 9 बजे एलर्ट करते हुए जलस्तर बढ़ने की सूचना दिया गया.। सुबह 9.30 बजे समस्त टीमें प्रभावित एरिया में एकत्रित होने के उपरान्त घटना स्थल के नजदीक कलेक्टरघाट मंदिर उच्च स्थान में पहुँचकर बचाव कार्य प्रारम्भ किया गया। सुबह 9.30 बजे से सुबह 10.30 बजे तक पी०एस०सी० स्थानीय पुलिस, गोताखोर, आपदा विशेषज्ञ, आपदा मित्र, स्थानीय अनुभवी व्यक्तियों की सहायता से तत्काल ध्वनि विस्तारक यन्त्र से उस इलाके में रहने वाले लोगो को बाढ़ का पानी आने की जानकारी दी गयी।

भाकपा माले और मजदूर सभा ने धरना व सभा कर दिया एसडीएम सैदपुर को पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को भाकपा माले व अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा के तत्वावधान में क्षेत्र के जन सवालों को लेकर ब्लाक मुख्यालय पर एक जूट होकर मार्च करते हुए उपजिलाधिकारी सैदपुर के कार्यालय के समक्ष धरना एवं सभा के माध्यम से मांग पत्र दिया गया। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था का विरोध करने पर भाकपा माले के आधा दर्जन नेताओं व कार्यकताओं पर मुख्यमंत्री योगी की पुलिस ने फर्जी मुकदमा दर्ज कर विपक्ष के आवाज को दबाना चाहती है। जबसे भाजपा की डबल इंजन की सरकार आई है, तबसे लगातार गरीबों मजदूरों एवं न्याय पसंद लोगों पर हमले और तेज हुए है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। पिछले दिनों सैकड़ों पुलिस की मौजूदगी में अपराधियों ने गोली

मारकर दोहरी हत्या को अंजाम दिया है। उभरते नौजवानों के लोकप्रिय नेता चन्द्रशेखर आजाद को गोली मारकर हत्या करने की कोशिश हुई है। जिले के थाना खानपुर में चर्चित पुलिस की फर्जी हॉफ इनकाउंटर के दौरान मधुबन निवासी रमेश यादव की पुत्र वधू नन्दिनी यादव की हत्या पुलिस ने कर दी और प्रदेश के मुखिया खोखला दावा कर रहे हैं कि अब अपराधी मिट्टी में मिल गये है। जबकि ऐसी अपराधिक घटनाएं गांव गिरॉव में रोज घटित हो रही है। आज किसान भयंकर संकट का सामना कर रहा है। खेती के समय पर बारिश नहीं होने पर सरकार की सारी बेवस्था की पोल खुल गई है। लगता है कि अगर समय से बारिश नहीं हुई तो किसानों की खेती नहीं हो पाएगी। सभा में प्रमुख रूप से कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, शशिकांत कुशवाहा, नन्दकिशोर बिन्द, सरोज यादव, बेचू बनवासी, डाक्टर रणधीर, कन्हैया बिंद, किशन आदि लोगों ने सम्बोधित किया सभा की अध्यक्षता व संचालन आजाद यादव ने किया।

एनडीआरएफ, जिला प्रशासन एवं अन्य हितधारकों के साथ बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु राज्य स्तरीय सयुंक्त मॉक अभ्यास

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाढ़ के दौरान होने वाली अप्रिय घटनाओं को रोकने व बचाव को लेकर मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक के दिशा-निर्देशन में एनडीआरएफ तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, वाराणसी, पुलिस, पी.ए.सी. स्वास्थय विभाग, नगर निगम, पूर्ति विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य हितधारकों के साथ नमोघाट, गंगा नदी, वाराणसी पर राज्य स्तरीय सयुंक्त मॉक अभ्यास किया गया` इस मॉक अभ्यास के दौरान नमो घाट के दुसरी ओर से आ रही एक नाव का गंगा नदी के बीच मे अनियंत्रित होने का परिदृश्य का प्रदर्शन किया गया तदनुसार, ईओसी को घटना के बारे में सूचित किया गया आगे एनडीआरएफ नियंत्रण कक्ष और सभी संबंधित हितधारकों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया गया सुचना मिलते ही प्रेम कुमार पासवान, उप कमांडेट की अगुवाई में एनडीआरएफ टीम को सभी अत्याधुनिक राहत-बचाव उपकरणों के साथ घटना स्थल पर रवाना किया गाया` घटना स्थल पर पहुँचकर टीम ने स्थानीय प्रशासन से घटना की सम्पूर्ण जानकारी लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए अपने रेस्क्यू मोटर बोट एवं वाटर एम्बुलेन्स के माध्यम से गंगा नदी के नमो घाट पर बचाव अभियान शुरू कर दिया बचाव दल लाइफ बॉय, लाइफ जैकेट

और डीप डाइवर्स की मदद से जीवन रक्षक कौशल का प्रदर्शन करते हुये अनियंत्रित हुये नाव के सभी पीड़ितों को एनडीआरएफ मोटर बोट पर सुरक्षित कर सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया` एनडीआरएफ टीम द्वारा सभी पीड़ितों को अस्पताल पूर्व उपचार देने के बाद स्वास्थय विभाग के एम्बुलेन्ल से स्थानीय पुलिस द्वारा उपलब्ध कराये गये ग्रीन कॉरिडोर के रास्ते अस्पताल में भर्ती कराया गया यह पूरा मॉक अभ्यास इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम के दिशानिदेर्शों के अनुसार आयोजित किया गया था मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य में बाढ़ आपदा प्रमुख आपदाओं में से एक है आज के बाढ़ आपदा पर आधारित राज्य स्तरीय संयुक्त मॉक अभ्यास मे एनडीआरएफ टीमों ने वाराणसी सहित बलिया, गोरखपुर, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, अलीगढ़ एवं बहराइच में भाग लिया है` मॉक अभ्यास का उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच में समन्वय बनाना, उपचारात्मक उपाय करना, संसाधनों की दक्षता का जांच करना एवं बाढ़ कि प्रतिकूल परिस्थितियों में राहत बचाव कार्यवाही को परखना है जिससे कि बाढ़ आपदा के दौरान त्वरित कार्यवाही करते हुए मानव जीवन को बचाया जा सके एनडीआरएफ की टीमें प्रदेश के बाढ़ संभावित जिलों में तैनात है एवं जरूरत के अनुसार आगे अन्य क्षेत्रों मे भी तैनाती की जाएगी।

समाज और शराब पर बनी लघु फिल्म "का रहला का हो गईला" का हुआ भव्य लांचिंग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। काशीनाथ ग्रुप आफ कालेजेज बांकीखुर्द बाराचवर गाजीपुर के सभागार में भोजपुरी लघु फिल्म का रहला का हो गईला का भव्य लांचिंग हुआ। इस फिल्म का उद्घाटन सपा के वरिष्ठ नेता रमेश पांडेय ने किया। रमेश पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को शराब का नशा बर्बाद कर रहा है, आये दिन घर परिवार बर्बाद हो रहे हैं। मुख्य

वक्ता सपा के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि नशा हमारे युवा पीढी को बर्बाद कर रहा है। आज शराब लगभग हर घर में प्रवेश कर गया है जिससे सामाजिक व्यवस्था तार तार हो गई है। आये दिन समाजिक रिश्ते-नाते का नशे में कत्लेआम हो रहा है। शराब पीकर सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटना बढ़ गई है। जिससे प्रति वर्ष लाखों लोगों की मौत हो रही है और घर परिवार बर्बाद हो रहा है ऐसे विकट परिस्थितियों में शराब के नशा के खिलाफ अभियान चलाना और उसके दुष्परिणामों पर लघु फिल्म बनाना यह बहुत ही चुनौती भरा कार्य है। इसके लिए पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव और उनकी टीम के सदस्य बधाई के पात्र है। उन्होने बताया कि पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव पहले बिरहा के माध्यम से समाजिक बुराइयों के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहे हैं आज यह लघु फिल्म बनाकर समाज को नशा के खिलाफ संदेश दे रहे हैं। इस अवसर पर फिल्म के मुख्य नायक और पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव ने कहा कि इस फिल्म को बनाने की प्रेरणा हमे डा0 भीमराव अम्बेडकर के पैतृक जिला इंदौर से मिली जहां पर पूर्व चीफ इंजीनियर का परिवार शराबखोरी के चलते बर्बाद हो गया था। पूर्व इंजीनियर के करुणा भरे आग्रह पर हमने शराब के नशा के खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प लिया है जो आगे भी चलता रहेगा। इस अवसर पर बलिया के सपा जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव, सादात नगरपंचायत के अध्यक्षा रेयाज अंसारी, जिला पंचायत सदस्य फेकू यादव, जयहिंद पहलवान, रामबचन यादव, अरुण यादव, कन्हैया विश्वकर्मा, रामनाथ यादव, चंद्रिका यादव, चंद्रबली यादव, अनिल यादव, लालजी यादव, सुजीत यादव, खेदन यादव, रामनगीना यादव, सिंहासन यादव, सुबेदार यादव, शशिकांत चतुर्वेदी, जोगेंद्र राय, सत्येंद्र यादव, साधू यादव, वंशनारायण यादव, नरेंद्र यादव, डा. कमलेश यादव, मनोज सिंह आदि लोग उपस्थित थे। आये हुए अतिथियों का स्वागत काशीनाथ ग्रुप आफ कालेजेज के प्रबंधक संजय यादव ने किया।

आध्यात्मिक ऊर्जा से रिचार्ज होकर डॉ. मोहनराव भागवत ने सिद्धपीठ से किया प्रस्थान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत सिद्ध पीठ हथियाराम मठ पर अपने लगभग 24 घंटे कि प्रवासी यात्रा के बाद गुरुवार की सुबह नवग्रह वाटिका स्थापना दर्शन पूजन इत्यादि करते हुए सिद्ध पीठ की धार्मिक पौराणिक व अध्यात्मिक शक्तियों से ऊजार्वान होकर मिजार्पुर के लिए प्रस्थान किए।

गौरतलब हो कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार को सुबह 11:00 बजे सिद्धपीठ पहुंचे डॉ. भागवत ने सिद्धपीठ की आराध्या वृद्धअंबिका देवी (बुढ़िया माई) दर्शन पूजन किए। उसके बाद महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति द्वारा किए जा रहे अपने 27वें चातुर्मास महायज्ञ में द्वादश ज्योतिर्लिंग रुद्राभिषेक पूजन करने के बाद एक गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने रात्रि प्रवास सिद्धपीठ के प्राचीन भवन कैलाश भवन में किया। कैलाश भवन वही भवन है जहां सिद्धपीठ के सिद्ध संत ध्यानस्थ रहा करते रहे हैं। उन्होंने कहा की सिद्धपीठ की धरती पर संत महात्माओं की भूमि पर आने से मैं रिचार्ज हो

जाता हूं। सामाजिक कार्यों के लिए मुझमें नई ऊर्जा स्फूर्त हो जाती है।

पर्यावरण की उन्नति ही हमारी की उन्नति है- डॉ. मोहनराव भागवत- पर्यावरण की उन्नति ही हमारी व हमारे समाज की उन्नति है। हरा भरा व पर्यावरण के अनुकूल क्षेत्र देखकर हमें वहां के लोगों व वातावरण का आभास हो जाता है। पर्यावरण के प्रति सबसे अधिक जिम्मेदारी हमारी बनती है। इसलिए पर्यावरण के उन्नयन का सदैव ख्याल रखना चाहिए। उपरोक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरसंघचालक मोहन राव भागवत ने नवग्रह वाटिका पूजन के समय कहा। सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर अपने प्रवास के दूसरे दिन डॉ. भागवत सिद्धपीठ के विशाल वन क्षेत्र स्थित संत निवास पहुंचे, जहां उन्होंने नवग्रह पूजन और नवग्रह वाटिका की स्थापना किया। इस अवसर पर वैदिक विद्वानों द्वारा नवग्रह के सभी वृक्षों का पूजन कराते हुए वृक्ष रोपण कराया गया। सिद्धपीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति द्वारा संत निवास के विशालकाय परिसर में नवग्रह वाटिका का पूजन व स्थापना के समय बताया गया कि आने वाले समय में नवग्रह वाटिका के साथ ही अन्य आयुर्वेदक गुण युक्त पौधों का संरक्षण किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र प्रचारक अनिल जी, काशी प्रांत प्रचारक रमेश जी, मुनीष जी, मुरली पाल, संतोष यादव सहित तमाम संघ के प्रांत व अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण किया।

संघ में मैं भी बजाता हूं बैंड- डॉ. भागवत- जब बैंड बाजा बजाने वालों से सरसंघचालक श्री भागवत ने कहा "अभी बाजा बजाना छोड़कर मेरे साथ खड़े हो जाओ, फोटो निकलने वाली है" सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत आगमन के दौरान लगातार शहनाई वादकों व बैंड बाजा कलाकारों द्वारा राष्ट्रभक्ति व भक्ति गीतों के माध्यम से स्वागत किया जाता रहा। गुरुवार की सुबह जब वह कैलाश भवन से निकलकर संत निवास की ओर नवग्रह वाटिका पूजन के लिए जा रहे थे। उस समय भी वादको ने अपनी प्रस्तुति की। सभी वाद्य यंत्र वादकों को खड़ाकर श्री भागवत ने उनके साथ फोटो खिंचाई। उस समय थोड़ा सा विनोद करते हुए उन्होंने वादको से कहा कि अभी बाजा बजाना छोड़ कर मेरे साथ खड़े हो जाओ, फोटो निकलने वाली है। वहीं उन्होंने सभी वाद्य यंत्र वद को का परिचय देते हुए लेते हुए कहाकि संघ में भी बैंड होता है जिसको मैं भी बजाता हूं। इसलिए मेरी इच्छा हुई आप लोगों के साथ फोटो खींचाता हूं। उन्होंने कलाकारों को सम्मानित किया।

आयोजक मंडल प्रमुख संतोष यादव सहित स्वयंसेवकों का महामंडलेश्वर ने किया सम्मान- चतुर्मास महायज्ञ के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर प्रवासी यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सिद्धपीठ के शिष्य स्वयंसवकों का महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज ने अंगवस्त्रम व प्रसाद देकर सम्मान किया। इस क्रम में उन्होंने सादात ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि और सिद्धपीठ के प्रमुख सेवक डॉक्टर संतोष यादव, गोविंद यादव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ। सानंद सिंह, डॉक्टर संतोष मिश्रा, आनंद मिश्रा, पुनीत सिंह, अंकित जायसवाल, सुशील सिंह, अंबरीश सिंह, अमित सिंह, श्रीराम जायसवाल, बिट्टू सिंह, आर.पी. सिंह, बलियां, अशोक सिंह चंदौली, अशोक चौहान, अमित चौहान, डॉ. नागेंद्र सहित सभी स्वयंसेवकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

व्यवस्था में सहयोग के लिए जिला प्रशासन का जताए आभार डीएम एसपी को दिए चुनरी प्रसाद- डॉ.मोहनराव भागवत के सिद्धपीठ पर यात्रा व प्रवास के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा लगातार की गई व्यवस्थाओं के तहत डॉ. मोहनराव भागवत के प्रस्थान करने के बाद सिद्धपीठ पर पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज ने जिलाधिकारी आर्यका अखौरी व पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह सहित सभी प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने इस अवसर पर अधिकारियों को बुढ़िया माई का भोग प्रसाद व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

दस वर्षों से भी अधिक समय तक गुपचुप तरीके से बढ़ता है

पार्किंसिंस

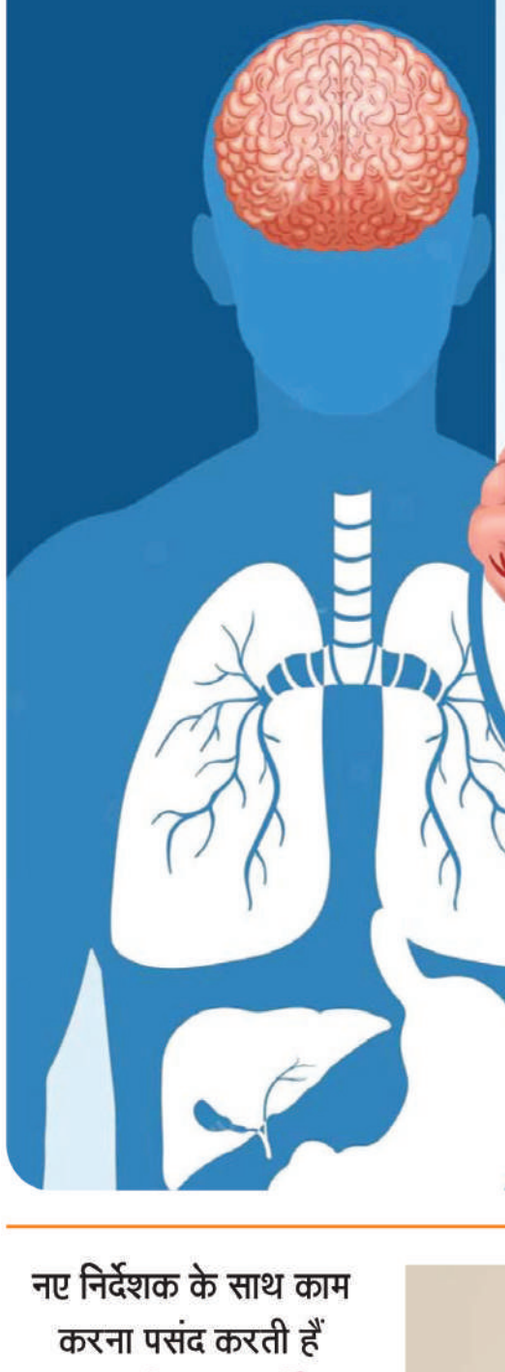

टोरंटो (आईएएनएस)। पार्किंसिंस रोग को लेकर किए गए एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि यह रोग आपके शरीर में 10 वर्षों से भी अधिक समय तक गुपचुप तरीके से बढ़ता है।

नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार पार्किंसिंस रोग मस्तिष्क में डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी डी

नए शोध का खुलासा

मॉन्ट्रियल के न्यूरोसाइंटिस्ट लुइस-एरिक टूडो के नेतृत्व में एक टीम चूहों पर पार्किंसिंस का प्रभाव जानने की कोशिश की। शोध में टीम ने पाया कि चूहों के मस्तिष्क में डोपामाइन रसायन की सक्रियता कम देखी गई जो मस्तिष्क को पूरी तरह से नुकसान पहुंचाती है। डोपामाइन एक रासायनिक संदेशवाहक है जिसे इसके महत्व के लिए पहचाना जाता है। पार्किंसिंस रोग में मस्तिष्क में डोपामाइन का स्तर लगातार कम हो जाता है।

विश्वविद्यालय के फार्माकोलॉजी, फिजियोलॉजी और न्यूरोसाइंसेज विभाग के प्रोफेसर टूडो ने कहा,कि यह अवलोकन हमारी प्रारंभिक परिकल्पना के खिलाफ था, लेकिन विज्ञान में अक्सर ऐसा ही होता है और इसने हमें मस्तिष्क में डोपामाइन वास्तव में क्या करता है, इसके बारे में हमारी निश्चितताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर किया है। आनुवंशिक हेरफेर का उपयोग कर टीम ने इन कोशिकाओं की सामान्य गति में इस रासायनिक संदेशवाहक डोपामाइन को जारी करने के लिए न्यूरॉन्स की क्षमता को समाप्त कर दिया। उन्हें इन चूहों में मोटर फ़ंक्शन का नुकसान देखने की उम्मीद थी, जैसा कि पार्किंसिंस वाले व्यक्तियों में देखा जाता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि चूहों ने चलने-फिरने की बिल्कुल सामान्य क्षमता दिखाई। इस बीच मस्तिष्क में समग्र डोपामाइन स्तर के माप से पता चला कि इन चूहों के मस्तिष्क में डोपामाइन का बाह्य कोशिकीय स्तर सामान्य था। इन परिणामों से पता चलता है कि मस्तिष्क में गतिविधि के लिए केवल डोपामाइन का निम्न स्तर ही काफी है। इसलिए यह संभावना है कि पार्किंसिंस रोग के शुरुआती चरणों में मस्तिष्क में बेसल डोपामाइन का स्तर कई वर्षों तक पर्याप्त रूप से उच्च बना रहता है। यह केवल तब होता है जब न्यूनतम सीमा पार हो जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार मस्तिष्क में डोपामाइन के स्राव में शामिल तंत्र की पहचान करके लाइलाज पार्किंसिंस बीमारी के लक्षणों को कम करने के लिए नए तरीकों की पहचान की जा सकती है।

टमाटर के ऊंचे भाव ने पुणे के किसान को बनाया करोड़पति

एक महीने में तीन करोड़ रुपए कमाए

पुणे (महाराष्ट्र) (भाषा)। टमाटर की बढ़ती कीमतों ने जहां आम आदमी की जेब पर बड़ा असर डाला है, वहीं महाराष्ट्र के पुणे के एक किसान के लिए यह बड़े लाभ का सौदा साबित हुआ है। पुणे के इस किसान ने तमाम चुनौतियों से पार पाते हुए पिछले एक माह में टमाटर की फसल बेचकर तीन करोड़ रुपये की कमाई की है। पुणे जिले की जुन्नार तहसील के पचघर गांव के किसान ईश्वर गायकर (36) को इस साल मई में कम दाम की वजह से बड़ी मात्रा में टमाटर की फसल को फेंकना पड़ा था। इस झटके के बावजूद इस किसान ने अटूट दृढ़संकल्प दिखाते हुए अपने 12 एकड़ के खेत पर टमाटर की खेती की।

अब टमाटर की आसमान छूती कीमतों के बीच गायकर की कड़ी मेहनत ने शानदार नतीजे दिए हैं और वह करोड़पति बन गया है। गायकर का दावा है कि उन्होंने 11 जून से 18 जुलाई के बीच अपनी टमाटर की उपज बेचकर तीन करोड़ रुपये की कमाई की है। गायकर ने कहा, 'इस अवधि के दौरान उन्होंने जुन्नार तहसील के नारायणगांव में कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) में तीन करोड़ रुपये में टमाटर के 18,000 क्रेट (प्रत्येक क्रेट में 20 किलोग्राम टमाटर) बेचे हैं। उनका इरादा टमाटर के 4,000 शेष क्रेट बेचकर करीब 50 लाख रुपये की कमाई करने का है।

गायकर ने बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती और परिवहन पर कुल 40 लाख रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे पास 18 एकड़ के खेत हैं। इनमें से 12 एकड़ में मैंने टमाटर की खेती की। 11 जून से टमाटर के 18,000 क्रेट बेचकर मैं तीन करोड़ रुपये कमा चुका हूं।' गायकर ने 11 जून को 770 रुपये प्रति क्रेट (37 से 38 रुपये प्रति किलोग्राम) के भाव पर टमाटर बेचा। 18 जुलाई को उन्हें प्रति क्रेट 2,200 रुपये (110 रुपये प्रति किलोग्राम) का भाव मिला। गायकर ने याद करते हुए कहा कि कैसे दो माह पहले कम भाव की वजह से उन्हें अपनी टमाटर की कटी फसल को फेंकना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'यह टमाटर उत्पादकों के लिए सबसे अच्छा समय है, लेकिन हमने सबसे खराब समय भी देखा है। मई के महीने में मैंने एक एकड़ जमीन पर टमाटर उगाए, लेकिन कीमतें बहुत कम होने के कारण बड़ी मात्रा में उपज को फेंकना पड़ा।

दुनिया के किसी भी देश में पूर्ण लैंगिक समानता नहीं

नई दिल्ली (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र महिला आयोग द्वारा जारी एक नई वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी देश ने अब तक पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की है। रिपोर्ट में पहली बार महिलाओं और लड़कियों के मानव विकास में प्रगति की व्यापक तस्वीर पेश की गई है।

रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र महिला और यूएनडीपी को महिला सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईआई) और वैश्विक लिंग समानता सूचकांक (जीजीपीआई) को लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को मापने के लिए जुड़वां सूचकांक के रूप में प्रस्तावित करने के लिए एकजुट होने पर विचार किया गया है। महिलाओं के मानव विकास, शक्ति और स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने में प्रगति का आकलन करने के लिए जुड़वां सूचकांक अलग-अलग लेकिन पूरक लेंस प्रदान करते हैं। साथ में, उन्होंने दुनिया भर में महिलाओं के सामने आने वाली जटिल चुनौतियों पर प्रकाश डाला और लक्षित हस्तक्षेप और नीति सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया। 114 देशों के विश्लेषण से पता चला है कि महिलाओं की शक्ति और विकल्प चुनने और अवसरों का लाभ उठाने की स्वतंत्रता काफी हद तक प्रतिबंधित है। डब्ल्यूईआई के मुताबिक विश्व स्तर पर, महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का औसतन केवल 60 प्रतिशत ही हासिल करने में सक्षम हैं और जीपीपीआई के मुताबिक वे प्रमुख मानव विकास आयामों में पुरुषों की उपलब्धि का औसतन 72 प्रतिशत हासिल करती हैं। ये सशक्तिकरण की कमी और असमानताएं न केवल महिलाओं की भलाई और उन्नति के लिए बल्कि मानव प्रगति के लिए भी हानिकारक हैं।

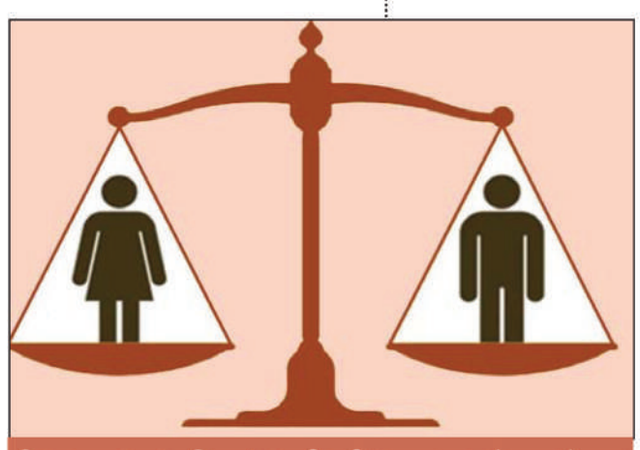

विश्व स्तर पर, महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का औसतन केवल 60 प्रतिशत ही हासिल करने में सक्षमः संयुक्त राष्ट्र

रिपोर्ट के निष्कर्षों पर टिप्पणी करते हुए, संयुक्त राष्ट्र महिला कार्यकारी निदेशक सिमा बहौस ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों के साथ, वैश्विक समुदाय ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता बनाई है। हालांकि, हम इन नए सूचकांकों के साथ स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि विभिन्न देशों में, महिलाओं की पूरी क्षमता अप्राप्त है, और लिंग भेद आम बात है। इससे लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा आ रही है। रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि एक प्रतिशत से भी कम महिलाएं और लड़कियां उन देशों में रहती हैं, जहां महिला सशक्तिकरण और उच्च लैंगिक समानता दोनों उच्च स्तर पर हैं, जबकि दुनिया की 90 प्रतिशत से अधिक महिला आबादी - 3.1 बिलियन महिलाएं और लड़कियां- रहती हैं। उन देशों में जहां महिला सशक्तिकरण की भारी कमी है और लैंगिक अंतर अधिक है।

नए निर्देशक के साथ काम करना पसंद करती हैं रानी मुखर्जी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि उन्हें नए निर्देशकों के साथ काम करना पसंद है। रानी मुखर्जी ने बताया है कि नए निर्देशक हमेशा कुछ ना कुछ नया और बेहतर खोजते रहते हैं। नए डायरेक्टर अपनी फिल्म में सब कुछ झोंक देते हैं। मैं हमेशा नए निर्देशकों के साथ काम करने को लेकर एक्साइटेड रहती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि वे हमेशा कुछ अधिक करने के लिए भूखे होते हैं। शायद यही वजह है कि मैंने इतने सारे नए या पहली बार डायरेक्शन करने वाले निर्देशकों के साथ काम किया है, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। रानी मुखर्जी ने कहा, करण जौहर के निर्देशन वाली पहली फिल्म कुछ कुछ होता में मैंने काम किया जो बहुत बड़ी हिट थी। मैंने शाद अली के साथ उनकी पहली फिल्म साथिया में काम किया था। यदि आप उन नए डायरेक्टर की लिस्ट देखेंगे, जिनके साथ मैंने काम किया है, तो आप पाएंगे कि इन सभी ने मेरे करियर, मेरी एक्टिंग को बखूबी आकार दिया है।

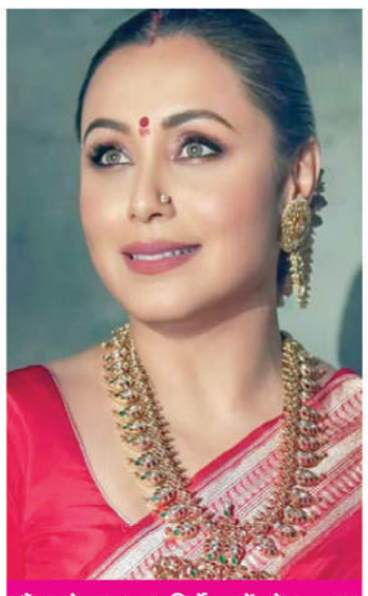

मैं हमेशा नए निर्देशकों के साथ काम करने को लेकर एक्साइटेड रहती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि वे हमेशा कुछ अधिक करने के लिए भूखे होते हैं।

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 18 अगस्त को होगी रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बी4यू भोजपुरी प्रस्तुत प्रदीप पांडेय चिंटू की भोजपुरी फिल्म भारत भाग्य विधाता 18 अगस्त को रिलीज होगी। बी4यू के वॉयस प्रेसीडेंट संदीप सिंह ने बताया कि भोजपुरी में अभी तक भारत भाग्य विधाता जैसी पुलिस डिपार्टमेंट की फिल्म नहीं बनी है। यह एक पुलिस के परिवार की कहानी है, जिसमें बिहार-यूपी जैसे स्टेट में कैसे ईमानदार पुलिस वाले सरवाइव करते है। यह फिल्म फुल एक्शन और रोमांच से भरपूर है। फिल्म भारत भाग्य विधाता के निर्देशक अनंजय रघुराज ने बताया कि फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका है। यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है। हमने इस फिल्म को व्यापक तौर पर बनाया है और अब इसके रिलीज की भी तैयारी बड़ी है।

मैं आलिया के साथ फुटबॉल खेलने से बचना चाहूंगा : रणबीर कपूर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बॉलीवुड के दिल की धड़कन और मुंबई सिटी एफसी के सह-मालिक रणबीर कपूर ने अपनी पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट को कॉम्पिटेटिव बताया और कहा कि वह उनके साथ फुटबॉल खेलने से बचेंगे। मुंबई सिटी एफसी जर्सी लॉन्च के दौरान, रणबीर ने स्पोर्ट्स एंकर मयंती लैंगर के साथ खुलकर बातचीत की और खुलासा किया कि वह जिस कॉम्पिटिटर के खिलाफ कभी नहीं खेलेंगे वह कोई और नहीं बल्कि उनकी पत्नी आलिया हैं।

यह पूछे जाने पर कि वह कौन सी खिलाड़ी है जिसके साथ वह कभी नहीं खेलेंगे, उन्होंने कहा, वह कॉम्पिटेटिव है और अगर मैंने उसे हरा दिया, तो मुझे पता है कि मैं इसके बारे में लंबे समय तक सुनता रहूंगा और वह नाराज हो जाएगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं उसके साथ खेलने से बचूंगा। इसके बाद लैंगर ने सुझाव दिया कि अगर आलिया जीतती है तो वह उनसे बेहतर जश्न मनाएगी। जिस पर उन्होंने जवाब दिया, बिल्कुल। तो, मैं दोनों तरह से खराब हूं।

भूमि पेडनेकर शुरू करेंगी एनजीओ

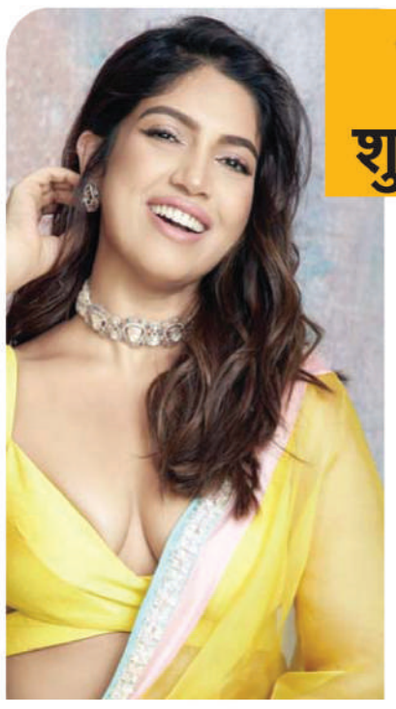

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने जल्द ही एक गैर लाभकारी संगठन शुरू करने की घोषणा की है, जो उन लोगों के सशक्तिकरण की दिशा में काम करेगा जिन्होंने अपना जीवन पृथ्वी और देश की सुरक्षा के लिए समर्पित किया है। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान' और 'बधाई हो' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से मशहूर हुई भूमि ने अपने 34वें जन्मदिन के मौके पर यह घोषणा की। विज्ञप्ति के मुताबिक,'भूमि फाउंडेशन' को आने वाले महीने में शुरू किया जाएगा। अभिनेत्री का कहना है कि वास्तविक बदलाव तभी हो सकता है जब हम अपने कार्यों के प्रति जवाबदेही शुरू करें और बड़े पैमाने पर समाज व मानवता के लिए सही काम करने के लिए आगे बढ़ें। मैं अपनी धरती के साथ सही काम करना चाहती हूं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर ग्रह छोड़ने का प्रयास करना चाहती हूं। मैं अपने गैर-लाभकारी संगठन भूमि फाउंडेशन के माध्यम से ऐसा करने का संकल्प लेती हूं, जिसे अगले कुछ महीनों में शुरू किया जाएगा।

पत्नी प्रियंका को मनाना पसंद है निक जोनस को

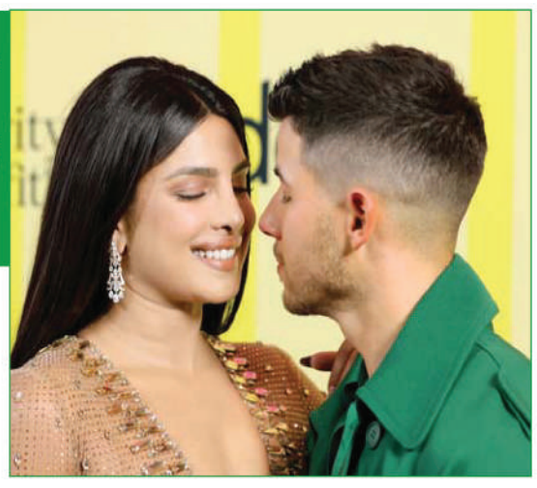

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने 18 जुलाई को अपना 41वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस मौक पर उनके पति व पॉप स्टार निक जोनस ने एक पोस्ट शेयर की। निक ने इंस्टाग्राम पर प्रियंका के साथ एक अनदेखी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें कपल यॉट पर बैठे हैं। प्रियंका ने व्हाइट एंड ब्लैक कलर के डॉटेड हॉल्टर-नेक ड्रेस के साथ सनग्लासेस पहना हुआ है और निक ने ब्लू स्लीवलेस टी शर्ट पहनी हुई है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, मुझे तुम्हें मनाना अच्छा लगता है, हैप्पी बर्थडे माई लव। कमेंट सेक्शन में फैंस द्वारा जन्मदिन के बधाइयों की बाढ़ आ गई। उन्होंने लिखा, आप दोनों को ढेर सारा आशीर्वाद, मुझे खुशी है कि आप हमारी क्वीन के जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं, वह इस दुनिया में सभी प्यार और खुशियों की हकदार है।

एक्टिंग से प्यार करती हैं जेनेलिया

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख का कहना है कि वह एक्टिंग से प्यार करती हैं। जेनेलिया को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए डेढ़ दशक हो गए हैं। अपने सिने करियर में जेनेलिया ने हिंदी के अलावा, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सहित कई अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया है।जेनेलिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ट्रायल पीरियड को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी मॉडर्न फैमिली के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां उनके सामने कुछ चुनौतियां भी खड़ी होती हैं। जेनिलिया ने एक यंग मदर का रोल निभाया है। उनका बेटा एक नया पिता चाहता है। आखिरकार, मां बच्चे की जिद पूरी करती है और ट्रायल पीरियड पर एक भाड़े का पापा लाते हैं। वह 30 दिन तक उस परिवार के पास रहता है। जेनेलिया ने बताया, मुझे लगता है कि मेरी यात्रा अद्भुत रही है, क्योंकि एक्टिंग वह करियर नहीं था, जिसे मैंने चुना था। बल्कि, इसने मुझे चुना था। बाद में मुझे इससे प्यार हो गया।

खबर संक्षेप

आईओसी का एडनॉक के साथ एलएनजी आपूर्ति करार

नई दिल्ली। देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशनने संयुक्त अरब अमीरात की एडनॉक गैस कंपनी से तरलीकृत प्राकृतिक गैस का आयात करने के लिए सात-नौ अरब डॉलर का एक समझौता किया है। 14 साल की अवधि वाले इस समझौते के तहत आईओसी को सालाना 12 लाख टन एलएनजी का निर्यात किया जाएगा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का लाभ 95 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही में 95 प्रतिशत बढ़कर 882 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। डूबे कर्ज में कमी और ब्याज आय में सुधार से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। पुणे के इस बैंक ने एक साल पहले की समान तिमाही में 452 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

इक्विटी साझेदारों को जोड़ने की दिशा में प्रगति

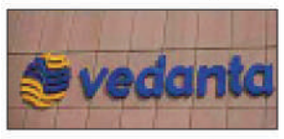

नई दिल्ली। वेदांता समूह ने गुजरात में देश का पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र लगाने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि इसके लिए प्रौद्योगिकी एवं इक्विटी साझेदारों के साथ गठजोड़ की दिशा में कुछ प्रगति हुई है। वेदांता को पिछले हफ्ते अपनी साझेदार फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम से अलग होने की घोषणा से बड़ा झटका लगा था।

टीवी18 ब्रॉडकास्ट का लाभ 52 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। मीडिया कंपनी टीवी18 ब्रॉडकास्ट लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 51.94 प्रतिशत बढ़कर 91.20 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि इंडियन प्रीमियम लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट के दौरान उसके जियो सिनेमा मंच के शानदार प्रदर्शन से शुद्ध लाभ में यह उच्च वृद्धि हुई है।

एनएमडीसी ने अयस्क की कीमत तय की

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली एनएमडीसी ने ढेलेदार (लम्प) अयस्क और चूरे (फाइन) के लिए दरें क्रमशः 4,950 रुपये और 4,210 रुपये प्रति टन तय कीं। लम्प अयस्क या उच्च श्रेणी के लौह अयस्क में 65.53 प्रतिशत लोहा होता है, जबकि बारीक या चूरा अयस्क निम्न श्रेणी का अयस्क होते हैं जिनमें 64 प्रतिशत या उससे कम लोहा होता है।

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 82.10 प्रति डॉलर

मुंबई। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में उछाल और कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती के बीच बुधवार को रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 82.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय शेयर बाजारों के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और विदेशी कोषों के सतत प्रवाह से रुपये का नुकसान सीमित रहा। मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.08 प्रति डॉलर पर खुला। 82.07 के उच्चस्तर और 82.15 के निचले स्तर को छूने के बाद अंत में छह पैसे की गिरावट के साथ 82.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

टमाटर के ऊंचे भाव ने पुणे के किसान को बनाया करोड़पति, कमाएं तीन करोड़

एजेंसी ▶▶ पुणे (महाराष्ट्र)

टमाटर की बढ़ती कीमतों ने जहां आम आदमी की जेब पर बड़ा असर डाला है, वहीं महाराष्ट्र के पुणे के एक किसान के लिए यह बड़े लाभ का सौदा साबित हुआ है। पुणे के इस किसान ने तमाम चुनौतियों से पार पाते हुए पिछले एक माह में टमाटर की फसल बेचकर तीन करोड़ रुपए की कमाई की है।

पुणे जिले की जुन्नार तहसील के पचघर गांव के किसान ईश्वर गायकर (36) को इस साल मई में कम दाम की वजह से बड़ी मात्रा में टमाटर की फसल को फेंकना पड़ा था। इस झटके के बावजूद इस किसान ने अटूट दृढ़ संकल्प दिखाते हुए अपने 12 एकड़ के खेत पर टमाटर की खेती की।

12 एकड़ के खेत पर टमाटर की खेती की

50 लाख के टमाटर अभी और बाकी

गायकर ने कहा, 'इस अवधि के दौरान उन्होंने जुन्नार तहसील के नारायणगांव में कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) में तीन करोड़ रुपए में टमाटर के 18,000 क्रेट (प्रत्येक क्रेट में 20 किलोग्राम टमाटर) बेचे हैं। उनका इरादा टमाटर के 4,000 शेष क्रेट बेचकर करीब 50 लाख रुपए की कमाई करने का है।

11 जून से 18 जुलाई के बीच बेचे टमाटर

अब टमाटर की आसमान छूती कीमतों के बीच गायकर की कड़ी मेहनत ने शानदार नतीजे दिए हैं और वह करोड़पति बन गया है। गायकर का दावा है कि उन्होंने 11 जून से 18 जुलाई के बीच अपनी टमाटर की उपज बेचकर तीन करोड़ रुपए की कमाई की है।

18 हजार क्रेट टमाटर बेचे

गायकर ने बताया कि उन्होंने टमाटर की खेती और परिवहन पर कुल 40 लाख रुपए खर्च किए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे पास 18 एकड़ के खेत हैं। इनमें से 12 एकड़ में मैंने टमाटर की खेती की। 11 जून से टमाटर के 18,000 क्रेट बेचकर मैं तीन करोड़ रुपये कमा चुका हूं।'

कम भाव के कारण फसल फेंकनी पड़ी थी

गायकर ने 11 जून को 770 रुपए प्रति क्रेट (37 से 38 रुपए प्रति किलोग्राम) के भाव पर टमाटर बेचा। 18 जुलाई को उन्हें प्रति क्रेट 2,200 रुपए (110 रुपए प्रति किलोग्राम) का भाव मिला। गायकर ने याद करते हुए कहा कि कैसे दो माह पहले कम भाव की वजह से उन्हें अपनी टमाटर की कटी फसल को फेंकना पड़ा था।

बुरा समय भी देखा

'यह टमाटर उत्पादकों के लिए सबसे अच्छा समय है, लेकिन हमने सबसे खराब समय भी देखा है। मई के महीने में मैंने एक एकड़ जमीन पर टमाटर उगाए, लेकिन कीमतें बहुत कम होने के कारण बड़ी मात्रा में उपज को फेंकना पड़ा। मैंने उपज फेंक दी थी क्योंकि प्रति क्रेट दर सिर्फ 50 रुपए थी, यानी 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम।'

जी-20 सम्मेलन में बंगा मिले वित्त मंत्री से

वैश्विक सुस्ती से भारत को घरेलू खपत दे रही स्वाभाविक सहारा : विश्व बैंक अध्यक्ष

- देश की जीडीपी का बड़ा हिस्सा घरेलू मांग पर आधारित
- भारत पोर्टफोलियो के लिहाज से सबसे बड़ा बाजार
- देश पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बुधवार को कहा कि वैश्विक सुस्ती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को उसकी घरेलू खपत से स्वाभाविक सहारा मिल रहा है क्योंकि देश की जीडीपी का बड़ा हिस्सा घरेलू मांग पर आधारित है।

बंगा ने यहां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुलाकात के बाद कहा कि उन्होंने जी20 सम्मेलन और भारत एवं विश्व बैंक के बीच सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने जी20 बैठक से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की। हमने इस बात पर भी चर्चा की कि विश्व बैंक और भारत किस तरह से जी20 से इतर भी काम कर सकते हैं।

विश्व बैंक के हित भारत से जुड़े

विश्व बैंक के लिए भारत पोर्टफोलियो के लिहाज से सबसे बड़ा बाजार है और हमारे तमाम हित यहां से जुड़े हैं। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर की गांधीनगर में बैठक संपन्न हुई है। इसमें विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष जैसे बहुपक्षीय विकास संस्थानों की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

बंगा इस समय भारत की यात्रा पर

विश्व बैंक का प्रमुख बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति बंगा इस समय भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने जून की शुरुआत में इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की कमान संभाली थी। बंगा ने विश्व अर्थव्यवस्था के परिदृश्य पर कहा कि अगले साल की शुरुआत में सुस्ती को लेकर अधिक जोखिम दिख रहा है। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था को अपनी घरेलू खपत के दम पर राहत मिल सकती है।

भारत का वृद्धि दर अनुपात यथावतः एडीबी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष (2023-24) के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 प्रतिशत पर कायम रखा है। एडीबी ने एशियन विकास परिदृश्य (एडीओ) पर बुधवार को जारी अपने ताजा जुलाई के आकलन में कहा है कि ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता मांग में सुधार की वजह से उसने वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, लेकिन वैश्विक स्तर पर सुस्ती से निर्यात घटने की स्थिति में यह अनुमान प्रभावित हो सकता है।

भारत चीन प्लस वन नीति का फायदा उठाए

भारत के सामने फिलहाल मौका है कि वह 'चीन प्लस वन' रणनीति का फायदा उठाए। 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने विनिर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती हैं। इसके लिए भारत भी एक संभावित दावेदार के तौर पर उभरकर सामने आया है।

उच्च आय वाली नौकरियां कहा है

बंगा ने कहा कि भारत वैश्विक सुस्ती के दौर में कई ऐसे कदम उठा रहा है जो उसे आगे रखने में मदद कर रहे हैं। उच्च आय वाली नौकरियों में संभावित वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर बंगा ने कहा, हमें यह समझना होगा कि ये नौकरियां कहां हैं। ये नौकरियां प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हैं और बहुत कम संख्या में हैं। फिर विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी नौकरियां हैं।

सोच से कहीं बेहतर प्रदर्शन

बंगा ने कहा, 'भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का बड़ा हिस्सा घरेलू खपत से आता है। ऐसे में अगर कुछ महीनों के लिए दुनिया में सुस्ती आती है तो भी घरेलू खपत पर आधारित होना भारत की अर्थव्यवस्था के लिए स्वाभाविक सहारा होगा।' विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में बंगा ने कहा, मुझे लगता है कि हमने सोच से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया।

इंसूलेटेड फ्लास्क के लिए गुणवत्ता मानक तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाले इंसूलेटेड फ्लास्क, बोतलों एवं कंटेनरों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानक जारी किए गए हैं।

- घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने मानक जारी
- पहली बार उल्लंघन पर दो साल का कारावास

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस संदर्भ में एक अधिसूचना जारी की है। इसके मुताबिक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) चिह्न से वंचित इन उत्पादों का उत्पादन, बिक्री, आयात या भंडारण नहीं किया जा सकता है। अब इंसूलेटेड फ्लास्क, बोतल एवं कंटेनर के अलावा रेजिन वाले लकड़ी के लेमिनेट्स का बीआईएस प्रमाणन से वंचित उत्पादों का उत्पादन, भंडारण एवं बिक्री को बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस प्रावधान का पहली बार उल्लंघन करने पर दो साल तक के कारावास या न्यूनतम दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं दूसरी बार और आगे भी उल्लंघन करने पर जुर्माने को बढ़ाकर न्यूनतम पांच लाख रुपये कर दिया जाएगा।

आयात पर काबू पाने में मदद मिलेगी

मंत्रालय ने कहा कि इन उत्पादों की गुणवत्ता को नियंत्रित करने से खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों के आयात पर काबू पाने में भी मदद मिलेगी।

सेंसेक्स पहली बार 67,000 अंक के पार हुआ बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला बुधवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 302 अंक से अधिक चढ़कर अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ।

विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने तथा वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख से बाजार में तेजी रही। कारोबारियों के अनुसार, सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी में लिवाली से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 302.30 अंक की तेजी के साथ नये रिकॉर्ड स्तर 67,097.44 अंक पर बंद हुआ। यह पहली बार है जब सेंसेक्स 67,000 अंक के पार बंद हुआ है। निफ्टी भी 83.90 अंक की तेजी के साथ नये शिखर 19,833.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा मोटर्स, आईटीसी, पावर ग्रिड और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहें। इंडसइंड बैंक का वित्तीय परिणाम आने के बाद बैंक का शेयर दो प्रतिशत चढ़ गया।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

- निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड
- विदेशी पूंजी प्रवाह जारी

सूचकांक नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहा

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. ने कहा, 'बाजार सीमित दायरे में रहा लेकिन तेजी का सिलसिला बरकरार रखते हुए अंत में दिन के उच्च स्तर पर बंद हुआ...अमेरिका में सकारात्मक रुख के साथ विभिन्न क्षेत्रों में लिवाली से सूचकांक हर दिन नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहा है।'

सोना 650 रुपए मजबूत चांदी में 600 रुपए की तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 650 रुपये की तेजी के साथ 60,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 600 रुपये के उछाल के साथ 77,600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच 10 जून के बाद से घरेलू बाजार में सोना अपने उच्चतम स्तर पर है। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,978 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी तेजी के साथ 25.05 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कॉमेक्स (जिंस बाजार) में सोना सात सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया क्योंकि निवेशकों ने अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर विचार किया जो मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकता है।

सौर क्षेत्र में कॉरपोरेट वित्तपोषण बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक सौर क्षेत्र में कॉरपोरेट वित्तपोषण 2023 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़कर 18.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले साल की जनवरी-जून की अवधि में सौर क्षेत्र में कुल कॉरपोरेट वित्तपोषण 12 अरब डॉलर रहा था। कॉरपोरेट वित्तपोषण में उद्यम पूंजी, सार्वजनिक बाजार और ऋण वित्तपोषण आता है। मेरकॉम कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय बाजार की परिस्थितियां सख्त होने और ब्याज दरें ऊंची रहने के बीच साल की पहली छमाही में सौर उद्योग मजबूत बना हुआ है।मेरकॉम कैपिटल ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राज प्रभु ने कहा, कृत्रिम मेधा (एआई) के अलावा स्वच्छ प्रौद्योगिकी उन कुछ क्षेत्रों में से है जिनके प्रति उद्यम पूंजी (वीसी) का आकर्षण बना हुआ है। अमेरिका में मुद्रास्फीति कटौती अधिनियम के कारण मांग इतनी मजबूत है कि ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील सार्वजनिक बाजारों और ऋण वित्तपोषण में भी वृद्धि हुई है।

- जनवरी-जून में 54 प्रतिशत बढ़कर 18 .5 अरब डॉलर

स्वच्छ ऊर्जा बाजार 2030 तक 23,000 अरब डॉलर का होगा...

नई दिल्ली। अमेरिकी की ऊर्जा मंत्री जेनिफर वैनहॉम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा बदलाव यानी कोयला और अन्य परंपरागत ईंधनों से उत्पादित बिजली की जगह पवन तथा सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने का बाजार वर्ष 2030 तक 23,000 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी पर यहां आयोजित मंत्री-स्तरीय बैठक में वैनहॉम ने कहा कि अमेरिका शत-प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली के उपयोग के अपने लक्ष्य को लेकर वर्ष 2035 तक अपने ग्रिड से 2,000 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) स्वच्छ ऊर्जा जोड़ेगा। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि हमें व्यापक स्तर पर एक साथ काम करना होगा और ऐसा करने के लिये हमें भागीदारी करनी होगी।

देश में 2030 तक सभी दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक हों : कांत

पणजी। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि देश को 2030 तक सभी दोपहिया और तिपहिया वाहनों इलेक्ट्रिक करने का लक्ष्य लेकर चलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश को 2030 तक 65 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन के साधनों को इलेक्ट्रिक वाहन बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। कांत ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रिक वाहन के इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये एक स्पष्ट नीतिगत व्यवस्था की आवश्यकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों पर नीति आयोग की तरफ से अलग से आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

संयंत्र पर 42,500 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा

ब्रिटेन में ईवी बैटरी का संयंत्र लगाएगा टाटा समूह

एजेंसी ▶▶ मुंबई/ लंदन

टाटा समूह ने बुधवार को जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के साथ-साथ अन्य वाहन कंपनियों के लिए बैटरी बनाने के लिए चार अरब पाउंड (42,500 करोड़ रुपये) के निवेश से कारखाना लगाने की घोषणा की।

- भारत के बाहर टाटा का पहला कारखाना होगा

टाटा संस ने इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी या गीगाफैक्टरी के लिए स्पेन की जगह दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में समरसेट के ब्रिजवॉटर क्षेत्र को इस कारखाने के लिए चुना है। ब्रिटेन की लक्जरी कार विनिर्माता जगुआर लैंड रोवर का स्वामित्व 'टाटा मोटर्स' के पास है।

यूरोप की सबसे बड़ी बैटरी विनिर्माण में से एक

इसके विपरीत यूरोपीय संघ में 35 संयंत्र चालू, निर्माणाधीन या योजना के चरण में हैं। टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा, 'टाटा समूह हमारे सभी व्यवसायों के स्थायी भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि समूह ब्रिटेन में यूरोप की सबसे बड़ी बैटरी सेल विनिर्माण सुविधाओं में से एक को स्थापित करेगा।'

सुनक ने कहा, ब्रिटेन के प्रति भरोसा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस घोषणा पर कहा, 'टाटा समूह का भारत के बाहर अपने पहले और यूरोप के सबसे बड़े संयंत्र की स्थापना का फैसला ब्रिटेन के प्रति भरोसे को दर्शाता है। यह ब्रिटेन के वाहन उद्योग में सबसे बड़े निवेश में से एक होगा।'

चार हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे : सुनक ने कहा, इससे न केवल देशभर में ब्रिटेन के लोगों के लिए हजारों नौकरियों का सृजन होगा, बल्कि इससे इलेक्ट्रिक वाहनों के वैश्विक बदलाव में हमारी बढ़त मजबूत होगी। ब्रिटेन सरकार ने एक अलग बयान में कहा कि इस निवेश से प्रत्यक्ष रूप से 4,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से भी हजारों नौकरियां मिलेंगी।

ब्रिटेन से 50 करोड़ पाउंड की सहायता मांगी 40 गीगावॉट घंटे की यह गीगाफैक्टरी यूरोप में सबसे बड़ी और भारत के बाहर टाटा का पहला कारखाना होगा। ऐसी अटकले हैं कि टाटा ने इसके लिए ब्रिटेन से 50 करोड़ पाउंड की सरकारी सहायता मांगी है, जिसमें समरसेट कारखाने के उच्च-ऊर्जा उपयोग के लिए सब्सिडी, वाहन बदलाव कोष से एकमुश्त अनुदान और साइट पर सड़क सुधार शामिल है।

बिजनेस साइट

श्री बालाजी हॉस्पिटल में 22 जुलाई को कैंप, गर्भावस्था की जांच व सोनोग्राफी निःशुल्क

रायपुर। मोवा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल में 22 जुलाई को निःशुल्क कैंप किया जाएगा। इस कैंप में परामर्श,गर्भावस्था जांच के साथ सोनोग्राफी भी निःशुल्क होगा। जिन लोगों को अन्य बीमारियों की जांच की जरूरत होगी, उन्हें जांच करवाने पर 50% छूट दी जाएगी।

श्री बालाजी हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ देवेंद्र नायक ने बताया कैंप मे 4 विभागों के 16 डॉक्टर्स उपलब्ध रहेंगे। हॉस्पिटल के चेयरमैन ने बताया कि कैंप में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की 6 डॉक्टर, शिशु रोग विभाग के 4 डॉक्टर, नाक-कान और गला रोग के तीन स्पेशियालिस्ट मौजूद रहेंगे। चर्म रोग विभाग के तीन डॉक्टर भी अपनी सेवाएं देंगे। कैंप में स्त्री रोग विभाग से डॉ निरजा अग्रवाल, डॉ ज्योति दुबे, डॉ निशा अग्रवाल, डॉ दीपा नायक, डॉ स्वाति मिश्रा, डॉ प्रियम्वदा सिंह सेवा देंगी। शिशु रोग विभाग से डॉ अनिल दुबे, डॉ रश्मि किस्पोट्टा, डॉ निकिता पटेल डॉ सत्यान सोनी मौजूद रहेंगे। ईएनटी से डॉ दीपशिखा चंद्रवंशी, डॉ संजीव मिश्रा डॉ सुमति और चर्म रोग विभाग से डॉ मयंक सिन्हा, डॉ निशा वर्मा और डॉ हेमांगी पारवानी अपनी सेवाएं देंगी। श्री बालाजी हॉस्पिटल द्वारा बिटिया स्कीम के तहत पिछले 2 वर्षो से लड़की होने पर निःशुल्क डिलीवरी की सुविधा के साथ श्री बालाजी फैमिली हेल्थ कार्ड बनाने पर ओपीडी और आईपीडी में जांच एवं हॉस्पिटल बिल पर 50% की छूट मिलेगी। इसके अलावा डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना (राशन कार्ड) एवं बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना ओड़िशा से पूरे इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

भारत-पाकिस्तान में दो सितंबर को होगी जंग, एशिया कप का शेड्यूल घोषित

एजेंसी ▶▶ पोर्ट आफ स्पेन

नई दिल्ली। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को एशिया कप की तारीखों का ऐलान किया है। इस बार हाइब्रिड मॉडल के आधार पर एशिया कप होना है। एशिया कप के मेजबान पाकिस्तान में सिर्फ 4 मैच होंगे, जबकि फाइनल समेत बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे।

एशिया कप इस बार वनडे फॉर्मेट में होगा, जिसका पूरा शेड्यूल भी घोषित कर दिया है। एसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने ट्वीट कर यह शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, इस बार एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ होगा। यह मैच 2 सितंबर को श्रीलंका के कैंडी में खेला जाएगा। इसके अलावा इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच दो और मुकाबले हो सकते हैं।

मेजबान पाकिस्तान में सिर्फ 4 मैच होंगे, जबकि बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे

भारत-पाक के बीच 3 मैच

दरअसल, भारत-पाकिस्तान एशिया कप के एक ही ग्रुप में शामिल हैं। इस ग्रुप में दोनों के अलावा नेपाल टीम भी है। ऐसे में पहला मुकाबला ग्रुप स्टेज में तय है। इसके अलावा भारत-पाकिस्तान का सुपर-4 में क्वालीफाई करना भी लगभग तय है। सुपर-4 के मुकाबले राउंड रॉबिन के तहत खेले जाएंगे। ऐसे में सुपर-4 में भी भारत-पाकिस्तान के बीच एक मैच हो सकता है। यदि दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीसरी टक्कर खिताबी मुकाबले में हो सकती है। इस तरह सिर्फ सितंबर के महीने में ही भारत और पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते हैं।

ग्रुप-A: भारत, पाकिस्तान और नेपाल
ग्रुप-B: श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान

भारत का शानदार रिकॉर्ड

बता दें कि एशिया कप में भारतीय टीम कहीं भी अपने मुकाबले खेले, उससे फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ उसका अब तक का रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप (वनडे फॉर्मेट) में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 13 वनडे मैच हुए, जिसमें टीम इंडिया ने 7 बार जीत दर्ज की है। पाकिस्तान को 5 बार जीत मिली है।

टीम इंडिया का दबदबा

एशिया कप में हमेशा ही भारतीय टीम का दबदबा रहा है। अब तक के इतिहास में एशिया कप के 15 सीजन हुए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा 7 बार (1984, 1988, 1990–91, 1995, 2010, 2016, 2018) खिताब जीता है। जबकि श्रीलंका दूसरे नंबर पर है, जो 6 बार (1986, 1997, 2004, 2008, 2014, 2022) चैंपियन रही है। पाकिस्तान दो ही बार (2000, 2012) खिताब अपने नाम कर सकी।

एशिया कप का शेड्यूल

दिनांक	देश	स्थान
30 अगस्त	पाकिस्तान/नेपाल	मुल्तान
31 अगस्त	बांग्लादेश/श्रीलंका	कैंडी
2 सितंबर	भारत/पाकिस्तान	कैंडी
3 सितंबर	बांग्लादेश/अफगानिस्तान	लाहौर
4 सितंबर	भारत/नेपाल	कैंडी
5 सितंबर	श्रीलंका/अफगानिस्तान	लाहौर

सुपर-4 स्टेज का शेड्यूल

6 सितंबर	A1 / B2	लाहौर
9 सितंबर	B1 / B2	कोलंबो
10 सितंबर	A1 / A2	कोलंबो
12 सितंबर	A2 / B1	कोलंबो
14 सितंबर	A1 / B1	कोलंबो
15 सितंबर	A2 / B2	कोलंबो
17 सितंबर	फाइनल	कोलंबो

खबर संक्षेप

ब्रॉड के टेस्ट क्रिकेट में 600 विकेट पूरे

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड बुधवार को अपना 600वां विकेट लेकर टेस्ट गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गये। ब्रॉड के नाम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच से पहले 598 विकेट दर्ज थे। उन्होंने सुबह के सत्र में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को पगबाधा आउट किया। उन्होंने चाय के विश्राम के तुरंत बाद ट्रेविस हेड को जो रूट के हाथों कैच कराकर अपना 600वां विकेट लिया। वह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पांचवें गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के उनके साथी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 688 विकेट लेकर इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं।

जमशेदपुर एफसी ने इमरान से करार किया

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी ने बुधवार को यहां मिडफील्डर इमरान खान से दो साल का करार करने की घोषणा की।

इमरान (28 वर्ष) इससे पहले नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलते थे जिसके लिए उन्होंने 37 मैच खेले और दो गोल दागे। उन्होंने कहा, 'जमशेदपुर एफसी से जुड़ना मेरे करियर के लिए बहुत बड़ा क्षण है। मैंने अपने पिछले क्लब से भी काफी कुछ सीखा है और मुझे लगता है कि मैं फिर से जमशेदपुर को ट्राफी दिलाने में मदद करने के लिए तैयार हूं।'

हमारा लक्ष्य 2036 का ओलंपिक : गुजरात

अहमदाबाद। गुजरात सरकार के अधिकारियों ने बुधवार को स्पष्ट किया कि 2026 में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या राज्य सरकार 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार हासिल करने पर विचार कर रही, तो उन्होंने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी कदम की जानकारी नहीं है। खेल विभाग के उप सचिव यूए पटेल ने भी इस तरह की रिपोर्टों का खंडन किया और कहा कि उनका ध्यान 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने पर है।

कसात्किना को संघर्ष के बाद मिली जीत

पालेरमो। शीर्ष रैंकिंग वाली डारिया कसात्किना को पालेरमो ओपन के पहले दौर में इटली की मार्तिना रेविसान को हराने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कसात्किना ने यह मैच 6-3, 6-7, 6-0 से जीता। अब उनका सामना रूस की ही ततियान प्रोजोरोवा से होगा जिन्होंने निजिना अब्दुराइमोवा को 6-3, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की मायर शेरीफ ने स्पेन की जेसिका बूजास मानेइरो को 3-6, 7-6, 7-5 से मात दी।

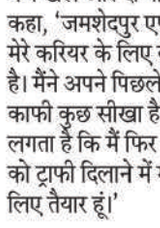

टेस्ट : मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर शाम 7.30 बजे

'क्लीन स्वीप' करने उतरेगा भारत विंडीज 100वें टेस्ट में देगा चुनौती

एजेंसी ▶▶ पोर्ट आफ स्पेन

वेस्टइंडीज के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम की नजरें 'क्लीन स्वीप' पर होंगी। यह मैच दोनों टीमों के बीच सौवां टेस्ट भी है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि यह बड़ा मौका है और उनकी टीम पहले मैच की तरह अपना दबदबा बनाए रखने का प्रयास करेगी। डोमिनिका में पहले मैच में भारत ने एक पारी और 141 रन से जीत दर्ज की थी। इस टेस्ट के बाद भारत को अब दिसंबर जनवरी में ही दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट खेलना है।

ऐसी प्रबल संभावना है कि भारतीय टीम फिर एक बार बल्लेबाजी करेगी। ऐसे में रहाणे को पूरा फायदा उठाना होगा क्योंकि दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले श्रेयस अय्यर भी फिट हो जायेंगे। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड ने इस मैच से पहले कहा था कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये भारत को रहाणे के फॉर्म में रहने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'तकनीक पर तो आप लगातार काम करते हैं लेकिन मुझे उनके स्थिर रवैये ने प्रभावित किया। वह गेंद को देर से खेल रहा था और शरीर के पास भी। वह नेट्स पर भी ऐसे ही खेल रहा है। दक्षिण अफ्रीका के हालात में ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होगी।'

गिल और किशन साबित करेंगे अपनी दावेदारी

पदार्पण टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने यशस्वी जायसवाल इस लय को कायम रखना चाहेंगे। शुभमन गिल तीसरे नंबर पर उतरने के बाद 11 गेंद ही खेल सके और वह भी बड़ी पारी खेलने को बेताब होंगे। दिसंबर 2018 से विदेश में शतक नहीं लगा सके विराट कोहली उस कमी को पूरा करना चाहेंगे। वहीं पदार्पण टेस्ट में पहला रन बनाने के लिये 20 गेंद तक इंतजार करने वाले ईशान किशन को भी मौके का इंतजार होगा।

रोहित की शीर्ष 10 में वापसी अश्विन वर्ल्ड नंबर-1 पर कायम

दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने 10वें टेस्ट शतक के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की है। वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में 12 विकेट लेने वाले रविचंदन अश्विन (884 अंक) ने गेंदबाजों की सूची में नंबर एक पर अपनी स्थिति मजबूत की। रोहित भारतीय बल्लेबाजों में शीर्ष पर काबिज हैं। इसरात की वेस्टइंडीज पर पहले टेस्ट मैच में पारी और 141 रन से जीत के बाद रोहित 751 रेटिंग अंक लेकर तीन पायदान ऊपर दसवें नंबर पर पहुंच गए हैं। अपने पदार्पण टेस्ट मैच में ही 171 रन की शानदार पारी खेलने वाले 21 वर्षीय यशस्वी जायसवाल ने भी बल्लेबाजों की सूची में स्थान पाया है। वह 420 अंक लेकर 73वें स्थान पर हैं। रविंद्र जडेजा ने पहले मैच में पांच विकेट लिए जिससे वह 779 अंकों के साथ तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

एलिक ने किया प्रभावित

वेस्टइंडीज के लिए पदार्पण करने वाले एलिक अथानाजे को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सका। उसे तेज गेंदबाजों की मददगार पिच की जरूरत है ताकि केमार रोच और अलजारी जोसेफ कोई कमाल कर सकें।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत, ईशान किशन, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

वेस्टइंडीज : क्रेग ब्रेथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लॉकवुड, जोशुआ डासिल्वा, एलिक अथानाजे, रहकीम कॉर्नवेल, शेनोन गैब्रियल, जैसन होल्डर, अलजारी जोसेफ, रेमन रीफर, केमार रोच, टी चंद्रपॉल, किर्क मैकेंजी, जोमेल वारिकन।

भारत ए ने पाकिस्तान ए को आठ विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

भारत ए ने बुधवार को यहां एमर्जिंग एशिया कप में पाकिस्तान ए को आठ विकेट से हराकर लीग चरण का समापन सभी मैचों में जीत के साथ किया। उभरते हुए युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने संयमित शतकीय पारी खेली।

इससे पहले तेज गेंदबाज राजवर्धन हैंगरगेकर ने पांच विकेट झटकने झटका। पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी और 48 ओवर में 205 रन पर सिमट गई। सुदर्शन ने 110 गेंद में नाबाद 104 रन की पारी खेलकर सुनिश्चित किया कि यह अदना सा लक्ष्य 36.4 ओवर में पूरा हो जाए। सुदर्शन ने पाकिस्तानी टीम के सीनियर तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी पर लगातार छक्के जड़कर अपना चौथा लिस्ट ए शतक पूरा किया। सुदर्शन की केरल के बल्लेबाज निकिन जोस (64 गेंद में 53 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 99 रन की भागीदारी से पाकिस्तान की वापसी की उम्मीद भी खत्म हो गई। कप्तान यश धुल (19 गेंद में नाबाद 21 रन) को श्रेय दिया जाना चाहिए जिन्होंने सुदर्शन को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 53 रन की साझेदारी के दौरान ज्यादा 'स्ट्राइक' दी।

ऑस्ट्रेलिया ने 299 रन पर गंवाए आठ विकेट

मैनचेस्टर। एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ स्टंप तक आठ विकेट पर 299 रन बना लिए हैं। मिचेल स्टार्क 23 और कप्तान पैट कमिंस एक रन बनाकर नाबाद हैं। कंगारू टीम के लिए पहली पारी में अब तक सबसे ज्यादा रन मिचेल मार्श और मार्नश लाबुशेन ने बनाए हैं। दोनों ने 51-51 रन की पारी खेली। ट्रेविस हेड 48 और स्टीव स्मिथ 41 रन बनाकर आउट हुए। डेविड वॉर्नर ने 32, एलेक्स कैरी ने 20 और कैमरून ग्रीन ने 16 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड के लिए क्रिस वोक्स ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए।

भारत ने बांग्लादेश को 108 रन से हराया, श्रृंखला 1-1 से बराबर

प्लेयर ऑफ द मैच जेमिमा ने बनाए 86 रन और झटके चार विकेट

एजेंसी ▶▶ मीरपुर

जेमिमा रोड्रिग्स की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 86 रन की पारी के बाद चार विकेट की मदद से भारत ने बुधवार को यहां दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 108 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

भारत ने जेमिमा और कप्तान हरमनप्रीत कौर (52) के अर्धशतक और दोनों के बीच चौथे विकेट की 91 गेंद में 73 रन की साझेदारी से आठ

विकेट पर 228 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में बांग्लादेश की टीम फरगाना हक (81 गेंद में 47 रन) और रितु मोनी (46 गेंद में 27 रन) के बीच चौथे विकेट की 68 रन की साझेदारी से तीन विकेट पर 106 रन बनाकर अच्छी टक्कर दे रही थी। हालांकि इस साझेदारी के टूटने के बाद मेजबान टीम 35.1 ओवर में 120 रन पर सिमट गई।

जेमिमा ने गेंदबाजी से भी कमाल दिखाते हुए 3.1 ओवर में तीन रन देकर चार विकेट चटकाए। लेग स्पिनर देविका वैद्य ने भी 30 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। रितु और फरगाना दोनों को विकेटकीपर यस्तिका भाटिया ने क्रमशः देविका और जेमिमा की गेंद पर स्टंप किया।

भारतीय टेटे टीम को एशियन कांस्य पदक

दोहा। भारत की अंडर-15 और अंडर-19 लड़कों की टीम ने 27वीं एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में यहां क्रमशः सिंगापुर और हांगकांग को हराया लेकिन दोनों टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों ही टीम सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में विफल रहीं और कांस्य पदक जीते। यह टूर्नामेंट दिसंबर में स्लोवेनिया में होने वाली विश्व युवा चैंपियनशिप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। अंडर-15 लड़कियों की टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी। लड़कियों की अंडर-19 टीम को भी जापान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड महिला टीम ने 2-1 से जीती एशेज वनडे सीरीज...

टांटन। नेट स्किवेर ब्रंट के शतक से इंग्लैंड ने महिला एशेज श्रृंखला के तीसरे और आखिरी वनडे में आस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 69 रन से हराया। इस तरह इंग्लैंड की टीम ने सीरीज को 2-1 से जीत लिया। दूसरे मैच में नाबाद 111 रन बनाने वाली ब्रंट ने 149 गेंद में 129 रन बनाए। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर नौ विकेट पर 285 रन बनाए। बारिश के कारण आस्ट्रेलिया का लक्ष्य 44 ओवर में 269 रन कर दिया गया। गार्डनर ने 24 गेंद में 41 रन बनाकर उम्मीद जगाई लेकिन उनकी टीम 35 .3 ओवर में 199 रन पर आउट हो गई। एलिसे पेरी ने सर्वाधिक 53 रन बनाए।

नॉर्वे की महिला फुटबॉल टीम से आज होगा सामना

फीफा वर्ल्ड कप में पहचान बनाने उतरेगा न्यूजीलैंड

एजेंसी ▶▶ आकलैंड

रग्बी के लिए अपनी दीवानगी के लिए मशहूर न्यूजीलैंड महिला फुटबॉल विश्व कप की सह मेजबानी के जरिए देश में इस खेल का ग्राफ ऊपर उठते देखना चाहता है। टूर्नामेंट के पहले दिन न्यूजीलैंड का सामना ग्रुप ए में नॉर्वे से और सह मेजबान आस्ट्रेलिया की टक्कर सिडनी में आयरलैंड से होगी।

कीवी डिफेंडर अली रिले ने कहा, 'मैं उम्मीद करती हूं कि यहां हमारे मैच के लिए ही नहीं बल्कि सभी मैचों के लिए भारी संख्या में दर्शक आएंगे। यह विश्व कप है और हम इसे लेकर काफी रोमांचित हैं। हम इसके लिए तीन साल से मेहनत कर रहे हैं।'

पहला मैच देखेंगे 50 हजार दर्शक

न्यूजीलैंड फुटबॉल ने ऐलान किया है कि आकलैंड के ईडन पार्क पर पहले मैच में कम से कम 50 हजार दर्शक होंगे जो देश के फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा है। आस्ट्रेलिया के पहले मैच के लिए टिकटों की मांग इतनी अधिक है कि मैच स्टेडियम आस्ट्रेलिया में कराना पड़ रहा है जिसकी दर्शक क्षमता 82 हजार है और इसे सिडनी ओलंपिक 2000 के लिए बनाया गया था।

आस्ट्रेलिया की सैम स्टार खिलाड़ी

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के मैच में नजरें सैम केर पर लगी होंगी जो 63 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुकी हैं। हाल ही में चेल्सी की महिला सुपर लीग में लगातार चौथी खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका रही। आस्ट्रेलिया ने फरवरी में कप आफ नेशंस में एक भी मैच नहीं गंवाया और अप्रैल में इंग्लैंड के 30 मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाई। आयरलैंड पहली बार विश्व कप खेल रहा है और कोलंबिया के खिलाफ ब्रिसबेन में अभ्यास मैच 20 मिनट के बाद ही रोकना पड़ा क्योंकि आयरिश खिलाड़ियों ने अति आक्रामक खेल की शिकायत की थी।

न्यूजीलैंड पर नॉर्वे भारी

न्यूजीलैंड ने पिछले पांच में से एक भी बार विश्व कप मैच नहीं जीता है। इस साल उसने नौ मैच खेले और सात में पराजय झेलनी पड़ी। दूसरी ओर नॉर्वे की टीम 1995 में विश्व कप जीत चुकी है और ग्रुप ए की सबसे मजबूत टीमों में से है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने सात में से पांच मैच जीते, एक ड्रॉ रहा और एक गंवाया। नॉर्वे के कोच हेजे रिसे ने कहा, 'दोनों टीमों पर दबाव होगा लेकिन हम पूरी तैयारी के साथ आए हैं।'

संक्षिप्त खबरें

इराक में तापमान 50 डिग्री के पार जाने की आशंका

बगदाद। आने वाले हफ्तों में इराक में प्रचंड गर्मी की लहर चलने की आशंका है और तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक जा सकता है। वहां की मौसम वेधशाला ने अपने पूर्वानुमान में ये बात कही है। ग्रीन इराक वेधशाला ने अपने पूर्वानुमान में कहा, जुलाई के आखिरी सप्ताह और अगस्त के पहले सप्ताह में तापमान 52 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वेधशाला के अनुसार, इराक में अब तक का सबसे गर्म तापमान जुलाई 2016 में दक्षिणी प्रांत बसरा में 53.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इराक में जब तापमान 50 डिग्री तक पहुंच जाता है, तो सरकार सुरक्षा बलों और चिकित्सा सेवाओं को छोड़कर, अपने सभी संस्थानों में छुट्टियां घोषित कर देती है।

ब्रिटेन ने महाराजा चार्ल्स तृतीय के नाम से पहला पासपोर्ट होगा जारी

लंदन। ब्रिटेन के शाही इतिहास में 70 साल में पहली बार ब्रिटिश पासपोर्ट 'हिज मैजेस्टी' शीर्षक के साथ जारी किया जाएगा और महाराज चार्ल्स तृतीय के नाम से ये पासपोर्ट इसी सप्ताह से जारी किए जाएंगे। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रावरमैन ने मंगलवार शाम को पासपोर्ट के नए डिजाइन का अनावरण किया जिसमें पिछले साल सितम्बर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद पासपोर्ट पर 'हर मैजेस्टी' की जगह बदलाव किया गया था। प्रथा के अनुसार 74 वर्षीय महाराजा के पास कोई पासपोर्ट नहीं है क्योंकि यह दस्तावेज उनके नाम पर जारी होता है। ब्रावरमैन ने कहा, '70 साल तक ब्रिटिश पासपोर्ट पर 'हर मैजेस्टी' लिखा जाता रहा और हममें से कई लोगों को याद नहीं होगा कि ऐसा कौन सा वक्त था जब उनका नाम नहीं लिखा गया।

रूस के साथ नौसेना अभ्यास के लिए चीन ने युद्धपोत भेजे

बीजिंग। चीन ने बुधवार को कहा कि उसने रूस की नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास करने के लिए अपने युद्धपोतों को रवाना किया है। चीन के इस कदम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के आक्रमण को बीजिंग का समर्थन जारी है। चीन का दावा है कि वह संघर्ष को लेकर तटस्थ है लेकिन उसने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर रूस को उकसाने का आरोप लगाया है तथा उसने रूस के साथ मजबूत आर्थिक राजनयिक और व्यापारिक रिश्तों को बरकरार रखा है। चीन की समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के मुताबिक, युद्धाभ्यास में 10 से ज्यादा पोत और 30 से अधिक विमान हिस्सा लेंगे।

उ. कोरिया ने कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल। अमेरिकी परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी के यहां पहुंचने और नए दक्षिण कोरिया-अमेरिका सुरक्षा संवाद के उद्घाटन सत्र के बाद, उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर में छोटी दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह जानकारी सियोल की सेना ने दी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने सुबह 3.30 से 3.46 बजे के बीच प्योंगयांग के सुनान क्षेत्र से प्रक्षेपण का पता लगाया। मिसाइल ने समुद्र में गिरने से पहले लगभग 550 किमी की उड़ान भरी।

अमेरिका के विध्वंसक को गोवा में किया गया तैनात

पणजी (भाषा)।

अमेरिका के आर्ले बर्क-क्लास गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक 'यूएसएस स्टेथेम' (डीडीजी63) को भारतीय नौसेना के साथ सहयोगात्मक रूप से तैनात (सीओडीईपी) किया गया। पोत हाल ही में गोवा पहुंचा था। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक ने मंगलवार को भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश (एफ-50) के साथ काम किया।

इस अभियान का मकसद युद्धाभ्यास और संचार अभ्यास के जरिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता का निर्माण करना तथा संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना था। मुंबई में अमेरिकी महावाणिज्यदूत माइक हैंकी ने कहा कि पोत की बंदरगाह यात्रा ने साझा मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता की पुनःपुष्टि की है और 'हमने हमारे दोनों देशों के बीच अपने रिश्तों को मजबूत किया है।'

■ भारतीय नौसेना के साथ सहयोगात्मक रूप से करेगा काम

उन्होंने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका और नेतृत्व को स्वीकार करता है। हैंकी ने यह भी कहा, भारत के साथ मिलकर काम करने से हम क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था और शांति एवं स्थिरता को आगे बढा पाएंगे। 'स्टेथेम' के कमांडिग अधिकारी कमांडर जेम्स 'नेट' वाट्स ने कहा कि 'स्टेथेम' के नाविकों को क्षेत्र में अमेरिका के साझेदारों के साथ करीब से काम करने का मौका मिला तथा 'भारतीय नौसेना ने हमें बंदरगाह की सफल यात्रा के बाद अपने अपतटीय क्षेत्र में स्थिरता का निर्माण करने के लिए स्थितियों को समझने की इजाजत दी।'

हरियाणा के 12 जिले बाढ़ प्रभावित, हिप्र के सीएम फंड में देंगे पांच करोड़

चंडीगढ़।

महज चार दिनों में हरियाणा के चार जिलों यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, पंचकूला व अंबाला में सामान्य से क्रमशः 842, 814, 699 व 514 फीसदी ज्यादा हुई बारिश ने बाढ़ के हालात बना दिए। सूबे के 1353 गांव व चार नगर निगम क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, लेकिन सरकार सहायता व बचाव की हरसंभव कोशिश करने में जुटी है। ताजा सूरते-हाल में अंबाला, फतेहाबाद, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पंचकूला, पानीपत, पलवल, सोनीपत, सिरसा व यमुनानगर बाढ़ प्रभावित घोषित किए जाते हैं। हरियाणा के साथ ही पड़ोसी सूबों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब में भी अत्याधिक बारिश हुई।

बाढ़ से प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 500 करोड़ का नुकसान हुआ है, जिसमें से लगभग 281 करोड़ केंद्र से आपदा राहत राशि मिली है। बाढ़ राहत के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त राशि की मांग करेंगे। साथ ही पड़ोसी धर्म निभाते हुए हरियाणा सरकार हिमाचल प्रदेश के सीएम रिलीफ फंड में फौरी तौर पर 5 करोड़ का अंशदान देगी। ये खुलासा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को सिविल सचिवालय में प्रशासनिक सचिवों की मौजूदगी में किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का ये कहना कि नदियों में बढ़ते खनन के कारण राज्य में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है, पूरी तरह अतार्किक है क्योंकि बाढ़ व खनन का कोई संबंध नहीं है। नदी तलों में वैध खनन से नदियों की जल ग्रहण क्षमता में वृद्धि हो सकती है, निचले इलाकों में बाढ़ रोकने में मदद मिल सकती है, क्योंकि खनन प्रक्रिया में अतिरिक्त जमा गाद को हटा दिया जाता है। उन्होंने सुझाव दिया कि नहरों से खनन व अतिरिक्त सिल्ट को हटाया जाना चाहिए ताकि नहरों की तलहटी में उनकी जल क्षमता बढ़ सके। जनवरी में हुई बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक के दौरान बाढ़ राहत कार्यों से निपटने के लिए 930 करोड़ पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि हथनीकुंड बैराज से 500 मीटर पीछे बांध बनाने का प्रस्ताव हिमाचल सरकार के समक्ष उठाया जा रहा है।

बारिश व बाढ़ से 35 लोगों ने गंवाई जान : मनोहर लाल बोले कि प्रदेश में बारिश व बाढ़ से 35 लोगों की मृत्यु हुई है। हालांकि ये आंकड़ा बढ़ सकता है। मृतकों के परिजनों को चार लाख मुआवजा देंगे। अंगों की हानि के लिए यदि दिव्यांगता 40 से 60 प्रतिशत है तो प्रति व्यक्ति 74000, दिव्यांगता 60 प्रतिशत से अधिक है तो प्रति व्यक्ति 2.50 लाख देंगे। दुधारू पशुओं के लिए भी फंड के प्रावधाननुसार सहायता देंगे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 6629 व्यक्ति सुरक्षित निकाले गए।

41 राहत शिविर लगाए जिनमें आज भी 1744 लोग रह रहे हैं। 2878 मेडिकल कैंप लगाए गए, जिनमें 37500 से ज्यादा मरीजों की जांच कर इलाज किया गया। एहतियात के तौर पर विभाग द्वारा 147 गांवों में फॉगिंग भी करवाई गई। 125 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए और 615 घर आंशिक रूप से। सिंचाई व जल संसाधन विभाग द्वारा 399 संरचनाओं व लाइनिंग, बांधों व किनारों के कटाव की सूचना दी गई है, जिसकी मरम्मत पर 90 करोड़ खर्च आएगा।

मौके पर मुख्य सचिव संजीव कौशल, सीपीएस डीएस ढेसी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के एसीएस तथा वित्तायुक्त राजस्व राजेश खुल्लर, वित्त विभाग के एसीएस अनुराग रस्तगी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के एसीएस अंकुर गुप्ता, पीएससीएम वी उमाशंकर, मुख्यमंत्री के एपीएस डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, सलाहकार (सिंचाई) देवेंद्र सिंह, बिजली निगमों के चेयरमैन प्रणब किशोर दास, मीडिया सलाहकार अमित आर्य व राजीव जेटली, मीडिया सचिव प्रवीण आत्रे व डीजीएचएस सोनिया खुल्लर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वर्जीनिया के गवर्नर ने भारतीयों को प्रमुख पदों पर किया नियुक्त

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन यंगकिन ने अतिरिक्त प्रमुख प्रशासन और बोर्ड नियुक्तियों की घोषणा की है, जिसमें कई भारतीय-अमेरिकी शामिल हैं। रिचमंड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एसोसिएट्स के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. बिमलजीत सिंह संधू ने वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम अथॉरिटी के बोर्ड सदस्य के रूप में शपथ ली।

■ डॉ. बिमलजीत सिंह संधू ने वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम अथॉरिटी के बोर्ड सदस्य के रूप में ली शपथ

बोर्ड सदस्य के रूप में संधू, जो 2004 में पंजाब से अमेरिका चले गए, राज्य की स्वास्थ्य शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बोर्ड की जिम्मेदारियों में स्वास्थ्य प्रणाली के संचालन की देखरेख के साथ-साथ विभिन्न मेडिकल स्कूलों और अस्पतालों को रणनीतिक दिशा प्रदान करना शामिल है। गैलेक्सी कॉर्पोरेशन के मालिक हर्षद बरोट और हार्ट केयर एसोसिएट्स के अध्यक्ष कमलेश दवे को वर्जीनिया एशियाई सलाहकार बोर्ड में नामित किया गया, जो प्रशासन और राष्ट्रमंडल में तेजी से बढ़ते एशियाई अमेरिकी प्रशांत द्वीपसमूह (एएपीआई) समुदायों के बीच एक औपचारिक संपर्क के रूप में कार्य करता है। अपनी नई भूमिका में, बरोट और डेव राष्ट्रमंडल और एशियाई देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर गवर्नर को सलाह देंगे।

जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और निदेशक पद्मनाभन शेषैयर और पूजा ग्रुप के अध्यक्ष कुणाल कुमार को वर्जीनिया बोर्ड ऑफ वर्कफोर्स डेवलपमेंट में नामित किया गया, जो गवर्नर के प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे और वर्कफोर्स डेवलपमेंट सिस्टम और नियोक्ता की जरूरतों के अनुरूप एक मजबूत वर्कफोर्स बनाने के प्रयासों के संबंध में राज्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करेंगे। गवर्नर यंगकिन ने पिछले सप्ताह जारी बयान में कहा, मैं हमारे राष्ट्रमंडल के लिए इन नियुक्त लोगों की सेवा के लिए आभारी हूं क्योंकि हम वर्जीनिया को रहने, काम करने और परिवार बढ़ाने के लिए सबसे अच्छी जगह बनाना चाहते हैं।

भारत ने किया काला सागर अनाज पहल का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। भारत ने काला सागर अनाज पहल जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है और मौजूदा गतिरोध का शीघ्र समाधान होने की उम्मीद जताई है।

इससे एक दिन पहले ही रूस ने घोषणा की थी कि वह युद्ध के दौरान यूक्रेनी बंदरगाह से खाद्यान्न एवं उर्वरकों के निर्यात की अनुमति देने संबंधी समझौते का क्रियान्वयन रोक रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने 'यूक्रेन के अस्थायी कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थिति' पर महासभा की वार्षिक बहस में कहा कि भारत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, जो शांति एवं स्थिरता के बड़े मकसद को हासिल करने में मददगार साबित नहीं हुआ है। कम्बोज ने कहा, 'भारत ने काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का समर्थन किया है और वह वर्तमान गतिरोध के शीघ्र समाधान की उम्मीद करता है।'

■ मौजूदा गतिरोध का शीघ्र समाधान होने की जताई उम्मीद

उन्होंने कहा, 'भारत यूक्रेन में हालात को लेकर चिंतित है। इस संघर्ष के कारण कई लोगों की जान गई है और कई लोगों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और वे पड़ोसी देशों में शरण लेने को मजबूर हैं।' कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को लेकर भारत का दृष्टिकोण जन-केंद्रित बना रहेगा। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं और दक्षिण में हमारे कुछ पड़ोसियों को ऐसे समय में आर्थिक मदद दे रहे हैं, जब वे आर्थिक संकटों के बीच भोजन, ईंधन और उर्वरकों की बढती लागत की समस्या से जूझ रहे है, जो इस संघर्ष का परिणाम है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने काला सागर पहल का क्रियान्वयन रोकने के रूस के फैसले पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस पहल ने यूक्रेनी बंदरगाहों से तीन करोड़ 20 लाख टन से अधिक खाद्य वस्तुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। गुतारेस ने कहा कि काला सागर पहल और रूसी खाद्य उत्पादों एवं उर्वरकों के निर्यात को संभव बनाने संबंधी समझौता ज्ञापन वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक 'जीवनरेखा' और परेशान दुनिया के लिए आशा की किरण रहा है। कम्बोज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूक्रेन में युद्ध का असर पूरे 'ग्लोबल साउथ' पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि 'ग्लोबल साउथ' की आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का उचित समाधान किया जाए। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

कम्बोज ने कहा कि नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय राजदूत ने इस बात को रेखांकित किया कि मतभेदों और विवादों से निपटने का एकमात्र तरीका वार्ता है।

रूस ने यूक्रेन में लगातार दूसरी रात किए हवाई हमले

कीव (एपी)। देशभर में रात के समय हुए सिलसिलेवार हवाई हमलों में रूस द्वारा दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों ने अनाज और तेल टर्मिनलों सहित दक्षिणी यूक्रेन में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है और इसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए।

हवाई हमले में लगातार दूसरी रात दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा पर निशाना साधा गया। कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि मॉस्को 'ब्लैक सी ग्रेन इनीशियेटिव' में अपनी सहभागिता रोकेगा। इस पहल से दुनिया तक खाद्यान्न का निर्यात बढ़ा और कई ऐसे देशों तक अनाज पहुंचा जो भुखमरी का सामना कर रहे थे।

क्रीमिया में रूस के आपातकालीन अधिकारियों ने कहा कि एक सैन्य केंद्र पर आग लगने की वजह से चार गांवों से 2,200 से अधिक लोगों को निकाला गया। क्रीमिया में रूस द्वारा नियुक्त प्रायद्वीपीय मामलों के प्रमुख सर्गेई एक्सियोनोव के अनुसार एक महत्वपूर्ण राजमार्ग को बंद कर दिया गया।

थाईलैंड : पीएम पद के उम्मीदवार पिटा को लगा झटका

बैंकॉक (एपी)। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने 'मूव फॉरवर्ड पार्टी' के नेता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पिटा लिमजारोएनराट को सांसद के तौर पर उनके कर्तव्यों से तब तक निलंबित किए जाने पर बुधवार को सहमति जताई, जब तक चुनावी कानून के उल्लंघन के संबंध में उन पर लगे आरोपों को लेकर फैसला नहीं सुना दिया जाता।

अदालत ने यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब संसद में इस बात पर संभवतः दूसरी बार मतदान होना था कि प्रधानमंत्री के तौर पर पिटा के नाम की पुष्टि की जाए या नहीं। पिटा की 'मूव फॉरवर्ड पार्टी' ने मई के आम चुनाव में सबसे अधिक सीट हासिल की थी। उसने आठ दलों के साथ गठबंधन किया। इस गठबंधन को प्रतिनिधि सभा में 312 सीट मिली हैं। गठबंधन को पिछले सप्ताह शुरुआती मतदान में सीनेट से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला था। नए प्रधानमंत्री के नाम की पुष्टि के लिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा मिलकर वोट देते हैं।

अदालत की घोषणा के बावजूद पिटा को कम से कम फैसला आने तक नामांकन भरने की अनुमति है और प्रधानमंत्री के रूप में उनका चयन हो सकता है। थाईलैंड के निर्वाचन आयोग ने पिटा का मामला अदालत को भेजा था। आयोग ने कहा था कि पिटा के चुनाव संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के सबूत हैं।

भारत और बांग्लादेश में बढ़ेगा आर्थिक सहयोग

ढाका (वार्ता)।

भारत और बांग्लादेश ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने तथा मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है। बांग्लादेश के वित्त मंत्री एएचएम मुस्तफा कमाल ने जी-20 शिखर सम्मेलन में 'अतिथि देश' के तौर पर आमंत्रित करने के लिए भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है।

■ बांग्लादेश ने जी20 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए भारत को दिया धन्यवाद

सम्मेलन से इतर दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई। बैठक में सीतारमण ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दी गयी। वित्त मंत्रालय के अनुसार गुजरात के गांधीनगर में जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कमाल और सीतारमण के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक की शुरुआत में सीतारमण ने बांग्लादेश के वित्त मंत्री कमाल का स्वागत किया। दोनों देशों के वित्त मंत्रियों ने बांग्लादेश और भारत के बीच द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

बांग्लादेश के वित्त मंत्री कमाल ने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते बहुत मजबूत और मैत्रीपूर्ण है। भारत का नाम हमारे महान मुक्ति संग्राम से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बंगबंधु, बंगलादेश और भारत ये तीन नाम मुक्ति संग्राम से बहत करीब से जुड़े हुए है। कमाल ने कहा भारत न केवल बांग्लादेश का सबसे करीबी पड़ोसी है, बल्कि हमारा भरोसेमंद दोस्त भी है। हमारा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मानसिकता भारत के साथ बहुत करीबी से जुड़ी हुई है। विकास एवं प्रगति का एक समृद्ध इतिहास रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश जी-20 गठबंधन का सदस्य नहीं होने के बावजूद उसे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में 'अतिथि देश' का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि मेजबान भारत ने बांग्लादेश को दक्षिण एशिया में एकमात्र 'अतिथि देश' के रूप में आमंत्रित किया है। वित्त मंत्री ने इसके लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। भारत की वित्त मंत्री सीतारमण ने दोनों देशों के संबंधों के विकास तथा बांग्लादेश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व की प्रशंसा की।

ब्यूटी सैलून पर प्रतिबंध के खिलाफ अफगान महिलाएं सड़क पर उतरीं

काबुल (एपी)। तालिबान द्वारा देशभर में ब्यूटी सैलून बंद करने के आदेश के बाद दर्जनों अफगान महिलाओं ने बुधवार को प्रतिबंध का विरोध किया। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारी महिलाओं पर पानी की बौछार की, 'स्टन गन' का इस्तेमाल किया और हवा में गोलियां चलाई।

तालिबान ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वे अफगानिस्तान में सभी सैलून को अपना व्यवसाय और दुकानें बंद करने के लिए एक महीने का समय दे रहे हैं। इस आदेश के महिला उद्यमियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने चिंता जताई है। तालिबान का कहना है कि वे सैलून को गैरकानूनी घोषित कर रहे हैं क्योंकि वे कथित तौर पर इस्लाम द्वारा निषिद्ध सेवाएं प्रदान करते हैं और शादी के उत्सव के दौरान दूल्हे के परिवारों के लिए आर्थिक कठिनाई पैदा करते हैं। यह आदेश तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा की ओर से आया।

■ तालिबान ने किया बल प्रयोग

यह अफगान महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा, सार्वजनिक स्थानों और अधिकांश प्रकार के रोजगार से प्रतिबंधित करने वाले आदेशों के बाद उनके अधिकारों और स्वतंत्रता पर नवीनतम अंकुश है। तालिबान के आदेशों का विरोध करने के लिए राजधानी काबुल में एकत्र हुए।

अगली महामारी के लिए पहले से तैयार रहने की जरूरत : बंगा

नई दिल्ली (भाषा)। कोविड-19 महामारी के दौरान विद्यालयों के बंद रहने के कारण पढाई-लिखाई का बहुत अधिक नुकसान हुआ है। यह बात विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बुधवार को कही और अगली महामारी के आने से पहले ही एक प्रणाली तैयार करने की जरूरत को रेखांकित किया ताकि ऐसी स्थिति को उत्पन्न होने से रोका जा सके।

एक सवाल के जवाब में बंगा ने कहा, महामारी के दौरान विद्यालय जाने वाली पीढ़ी को लेकर हमारे पास वास्तविक चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, जब हम कोविड-19 महामारी की चपेट में आए तो विकसित और विकासशील देश इससे निपटना सीख रहे थे। इस अवधि में लंबे समय तक विद्यालय बंद रहने के कारण पढ़ाई-लिखाई का बहुत अधिक नुकसान हुआ और इस नुकसान से निपटना सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, बल्कि यह दुनियाभर के लिए एक मुद्दा है।

उन्होंने कहा, मेरा मत है कि हमें अब सबक लेना चाहिए। बहुत हद तक यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अगली महामारी से पहले ही एक प्रणाली तैयार करना सीख लें अन्यथा हम वही भूलें दोबारा करेंगे। यह तो तय है कि अगली महामारी आएगी जरूर। सवाल यह है कि इसके आने से पहले हम कितना सीखते हैं? मेरे लिए यह एक बड़ा सवाल है।

■ कहा, विद्यालयों के बंद रहने से पढ़ाई का बहुत नुकसान हुआ

विश्व बैंक ने इससे पहले कहा था कि कोविड-19 महामारी के कारण भारत में विद्यालयों के लंबे समय तक बंद रहने से पढाई में नुकसान के अलावा देश की भावी कमाई में 400 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय-अमेरिकी बंगा (63) ने पिछले महीने विश्व बैंक के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।

बंगा दो वैश्विक वित्तीय संस्थानों (विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) में से किसी एक का प्रमुख बनने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति हैं। वह यह पद संभालने के बाद पहली बार भारत यात्रा पर हैं। वह जी-20 वित्त मंत्रियों और सदस्य देशों के केंद्रीय बैंक के गवर्नर की अहमदाबाद में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। बुधवार की सुबह उन्होंने द्वारका स्थित कौशल विकास केंद्र का दौरा किया और विद्यार्थियों से बातचीत की।

एम्स-दिल्ली ने 28 जुलाई को होने वाली 'नेक्स्ट' की अभ्यास परीक्षा रद्द की

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) द्वारा 2019 बैच के अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) को स्थगित करने के बाद एम्स-दिल्ली ने 28 जुलाई को आयोजित नेक्स्ट अभ्यास परीक्षा बुधवार को रद्द कर दी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक नोटिस में कहा है कि 'मॉक टेस्ट' या अभ्यास परीक्षा के लिए उम्मीदवारों का पंजीकरण शुल्क वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एनएमसी ने 13 जुलाई को कहा था कि नेक्स्ट को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अगले निर्देश तक स्थगित कर दिया गया है।

नेक्स्ट भारत में चिकित्सा की आधुनिक प्रणाली की 'प्रैक्टिस' करने के लिए पंजीकरण कराने को लेकर मेडिकल स्नातक की पात्रता को प्रमाणित करने का आधार बनेगा और लाइसेंसधारी परीक्षा के रूप में काम करेगा। यह देश में व्यापक चिकित्सा विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक मेडिकल छात्रों के प्रवेश के लिए पात्रता और रैंकिंग निर्धारित करने का आधार भी बनेगा। इस तरह यह पीजी चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों में दाखिला के लिए प्रवेश परीक्षा के रूप में काम करेगा। एम्स ने बुधवार को कहा, '26 जून, 2023 के नोटिस के संदर्भ में भारत में एमबीबीएस पाठ्यक्रम कर रहे अंतिम वर्ष के छात्रों से एनएमसी की ओर से नेक्स्ट की अभ्यास परीक्षा के लिए 28 जून से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।'

एम्स ने कहा, 'इस संबंध में यह सूचित किया जाता है कि एनएमसी से प्राप्त पत्र और सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार 28 जुलाई, 2023 को आयोजित नेक्स्ट अभ्यास परीक्षा रद्द कर दी गई है।' नेक्स्ट विनियम 2023 में कहा गया है कि परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाएगी। सरकार ने पिछले साल सितंबर में एनएमसी अधिनियम के प्रावधानों को लागू करते हुए नेक्स्ट आयोजित करने की समय सीमा सितंबर 2024 तक बढा दी थी। एनएमसी अधिनियम के अनुसार, आयोग को इसके लागू होने के तीन साल के भीतर अंतिम वर्ष की स्नातक चिकित्सा परीक्षा नेक्स्ट का संचालन करना होगा। यह अधिनियम सितंबर 2020 में लागू हुआ।

एचकेआरएनएल में मेरिट पर होती हैं नियुक्तियां : पांडुरंग

चंडीगढ़।

मुख्यमंत्री के डिप्टी प्रिंसिपल सेक्रेटरी एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के सीईओ के मकरंद पांडुरंग ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर फैलाई जा रही भ्रामक एवं झूठी सूचना को लेकर नाराजगी जताई।

पांडुरंग ने बुधवार को स्पष्ट किया कि एक झूठी अधिसूचना जिसका शीर्षक ...एक ही गांव के 35 युवकों को दी नौकरी, जांच के लिए समिति गठित...वायरल होते हुए देखी जा रही है, जबकि हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड ने इस खबर की जांच की तथा प्रथम दृष्ट्या जांच में इस खबर को सही नहीं पाया। उन्होंने बताया कि इस तरह की खबरें जोकि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के लिए फैलाई जा रही हैं, वो पूरी तरह से भ्रामक हैं और कुछ शरारती तत्वों द्वारा निगम के दुष्प्रचार के लिए फैलाई जा रही हैं। पांडुरंग के मुताबिक, एचकेआरएनएल में सारी नियुक्तियां मेरिट लिस्ट के आधार पर ही होती हैं, जो कि सरकार की डेप्लॉयमेंट पॉलिसी 2022 के आधार पर बनाई गई है। ये पॉलिसी हरियाणा कौशल रोजगार निगम एवं मुख्य सचिव हरियाणा की वेबसाइट पर मौजूद है।

■ नियुक्ति सरकार की डेप्लॉयमेंट पॉलिसी 2022 के आधार पर बनाई गई है

सेंट स्टीफंस की याचिका पर विचार करे दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली हाईकोर्ट से उस आदेश के खिलाफ सेंट स्टीफंस कॉलेज की याचिका पर 'अपेक्षित तत्परता' से विचार करने को कहा है, जिसमें उसे (कॉलेज को) दिल्ली विश्वविद्यालय की दाखिला नीति का पालन करने के लिए कहा गया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंट स्टीफंस कॉलेज को स्नातक पाठ्यक्रमों में गैर-अल्पसंख्यक सीट पर दाखिला देते समय दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की दाखिला नीति का अनुसरण करने और सीयूईटी 2022 के अंकों को 100 प्रतिशत तरजीह देने का पिछले साल 12 सितम्बर को निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि कॉलेज गैर-अल्पसंख्यक श्रेणी के छात्रों के लिए साक्षात्कार नहीं ले सकता और प्रवेश केवल सीयूईटी अंक के आधार पर होना चाहिए। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय इस मामले की सुनवाई कर सकता है।

■ दिल्ली विश्वविद्यालय की दाखिला नीति का पालन करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

पीठ ने कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि उच्च न्यायालय अल्पसंख्यक कोटे के तहत दाखिले से संबंधित रिट याचिका की सुनवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा।' उसने कहा, 'यह कहने की जरूरत नहीं है कि यह मामला वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के लिए दाखिले से संबंधित है, इसलिए उच्च न्यायालय इस पर अपेक्षित तत्परता से विचार करे।' सेंट स्टीफंस कॉलेज की ओर से पेश वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि उच्च न्यायालय ने शीर्ष अदालत में यह मामला लंबित होने के कारण याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी है। उन्होंने यह स्पष्टीकरण दिए जाने का अनुरोध किया कि उच्च न्यायालय अल्पसंख्यक श्रेणी में दाखिले के संबंध में याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय की पहल पर राजमार्ग मंत्रालय से अनेक योजनाओं की मिली स्वीकृति

प्रखर दानगंज वाराणसी। केन्द्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पाण्डेय एन एच आइ के वरिष्ठ अधिकारी आरओ पुर्वी उत्तर प्रदेश एसबी सिंह तथा आरओ पटना अवधेश सिंह के साथ संसदीय क्षेत्र में एन एच आइ की विभिन्न योजनाओं में आ रही जन समस्याओं के समाधान को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा वाराणसी एवं चन्दौली जनपद के वरिष्ठ पदाधिकारी एव अपने प्रतिनिधियों के साथ एनएचएआइ के कैम्प कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से केन्द्रीय मंत्री डॉ पाण्डेय जी द्वारा एनएचएआइ को दिये गये अब तक के प्रस्ताव की वर्तमान प्रगति की समीक्षा एवं विभागीय निर्णयों के सन्दर्भ में अधिकारियों ने प्रजेंटेशन दिया।एनएचएआइ द्वारा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गयी है उसमें प्रमुख रूप से -

चोलापुर नाद नदी पर बनेगा नया पुल- चोलापुर बाजार में नाद नदी पर बने पुल की समय सीमा पुर्ण हो जाने के कारण केन्द्रीय मंत्री डॉ पाण्डेय ने एनएचएआइ द्वारा प्रोजेक्ट बनाकर नया पुल बनाने के लिए प्रस्ताव दिया था।जल्द ही इस पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी।

लाइटिंग- मोहनसराय से नौबत पुर तक की कुल 56 किमी की दुरी में 40 किमी तक विभिन्न जगहों पर राजमार्ग पर लाइट लगेगी।एनएच 233 वाराणसी - आजमगढ़ एवं एन एच 31 वाराणसी गाजीपुर रोड पर रिंग रोड से वाराणसी जनपद की सीमा तक सड़क पर जहां-जहां लाइटे नहीं लगी है एनएचएआइ लाइटे लगायेगा?।

फुट ओवर ब्रिज- केन्द्रीय मंत्री डॉ पाण्डेय ने वाराणसी एवं चन्दौली जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न जगहों पर कुल 15 फुट ओवर ब्रिज बनाने के लिए प्रस्ताव दिया था । विभागीय परीक्षण में मीडियन कट, विभिन्न जगहों पर अण्डर पास तक बनने वाले नये सर्विस रोड के को दृष्टिगत रखते हुए कुल 10 फुट ओवरब्रिज के निर्माण की मंजूरी मिली है। इस क्रम में चन्दौली जनपद में पं कमला पति चिकित्सालय, पुलिस लाइन,जिला धिकारी कार्यालय, कटशिला तथा मझवार रेलवे स्टेशन साथ ही वाराणसी जनपद में उमरहा,गौरा,बरियासन पुर,हरिहर पुर तथा हथिवार मोड़ पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण एनएचएआइ करायेगा।मझवावार रेलवे स्टेशन पर बनने वाले फुट ओवरब्रिज में लिफ्ट भी लगायी जायेगी।सभी फुट ओवर ब्रिजो पर रैम्प का निर्माण भी होगा जिससे दो पहिया तीन पहिया वाहनों को सड़क पार करने में कठिनाइयां नहीं आयेगी।

सर्विस रोड- निमार्णाधीन संदहा से चन्दौली तक रिंग रोड फेज 2 में बन रहे प्रत्येक अण्डर पास पर सर्विस रोड के निर्माण के साथ ही रिंग रोड फेज 1 मे ऐढे. अण्डर पास के दोनो ओर तथा एन एच 31 चौबेपुर बाजार के पास अण्डर पास से गौरा उपरवार की सीमा तक नयी सर्विस रोड केन्द्रीय मंत्री डॉ पाण्डेय जी के निर्देश पर बनायी जायेगी।

आजमगढ़ रोड पर इमिलिया में तालाब का सुन्दरीकरण- एन एच 233 वाराणसी आजमगढ़ रोड पर निर्माण के दौरान तालाब की 14 प्रतिशत भूमि सड़क में गयी थी?।एनएचएआइ द्वारा भूमि के बदले 33 लाख 41 हजार रुपये की धनराशि तालाब के सुन्दरीकरण के लिए वाराणसी ग्राम्य विकास विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया है।शीघ्र ही टेण्डर की प्रक्रिया शुरू कर तालाब का सुन्दरीकरण का काम शुरू हो जायेगा।

सन्दहा में बनेगा अटल चौक- एन एच 31 वाराणसी गाजीपुर राज मार्ग पर रिंग रोड के नीचे संदहा चौराहे पर भारत रत्न पुर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी को समर्पित अटल चौक का निर्माण कराया जायेगा। लाइटिंग ऊवं फौवारे के बीच में अटल जी की प्रतिमा भी स्थापित की जायेगी

सैय्यदराजा जमानिया राजमार्ग- सैयदराजा जमानिया राजमार्ग की पुरानी सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य तथा सैय्यदराजा के बगल से गंगा पर नये पुल के निर्माण साथ एन एच 31 में जोड़ने के लिए नये राजमार्ग के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गयी है तकनीकी परीक्षण पुर्ण होते ही शीघ्र ही यह प्रस्ताव राजमार्ग मंत्रालय को भेजा जायेगा।

भांवरकोल के मनियाँ प्राथमिक विद्यालय से निकली जागरूकता रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से फाइलेरिया नेटवर्क के सदस्यों भांवरकॉल ब्लॉक के मनियाँ गाँव में गुरुवार को फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम किए। इस दौरान मनिया प्राथमिक विद्यालय से जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बच्चों ने ग्रामीणों को फाइलेरिया रोग से बचाव की दवा खाने का संदेश दिया। जनपद में 10 अगस्त से 28 अगस्त तक फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाने का अभियान चलेगा। आशा- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर दवा अपने सामने ही खिलाएँगी। सभी लोग दवा जरूर खाएँ जिससे इस रोग के रोकथाम में मदद मिल सके। मनियाँ प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक शोभा पाण्डेय ने कहा कि 10 अगस्त से फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का अभियान चलेगा। सभी लोग दवा अवश्य खाएँ। आशा कार्यकर्ता गीता पाण्डेय और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरोज देवी ने कहा कि यह दवा साल में एक बार और लगातार पाँच साल तक खाने से फाइलेरिया रोग से बचाव किया जा सकता है। इसके लिए समुदाय के लक्षित वर्ग को जागरूक किया जा रहा है। यह दवा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को छोड़कर सभी को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाई जाएगी। एक से दो वर्ष के बच्चों को सिर्फ एल्बेण्डाजोल की दवा खिलाई जाएगी। यह दवा खाली पेट नहीं खाना है। इसके साथ ही प्रियंका स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के साथ बैठक की गई। समूह की महिलाओं से समुदाय को जागरूक करने को लेकर सहयोग करने के लिए कहा गया।

108 एंबुलेंस ने पहुंचाया पैर में फ्रेक्चर वाली महिला को ट्रामा सेंटर वाराणसी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। साल 2012 में 108 एंबुलेंस लोगों को जीवन देने के उद्देश्य से आरंभ किया गया था। जिसका सकारात्मक परिणाम भी लगातार देखने को मिल रहा है। ऐसा ही कुछ बीती रात करीब 9:27 पर 108 नंबर पर कॉल आया और बताया गया कि पीड़ित के पैर में फ्रेक्चर है। उसे वाराणसी बीएचयू ट्रामा सेंटर को लेकर जाना है। जिसके बाद तत्काल 108 एंबुलेंस के पायलट और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन तत्काल बताए गए लोकेशन पर पहुंचे। मरीज को बीएचयू वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रवाना हुए। 108 एंबुलेंस के प्रभारी दीपक राय ने बताया कि बीती रात मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के गौसपुर गांव की रहने वाली दुलारी देवी उम्र 55 जिनके पैर में फ्रेक्चर हुआ था और डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें वाराणसी जाना था। जिसके लिए 108 नंबर पर फोन आया और बताए गए लोकेशन पर तत्काल क्विक रिस्पांस करते हुए पायलट संतोष और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन दिलीप शर्मा पहुंचे। मरीज को लेकर बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रवाना हुए। देर रात तक उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी में एडमिट कराया जिसके बाद उसका इलाज शुरू हुआ।

पीयू की प्रवेश परीक्षाएं 25 और 26 जुलाई को

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विषयों में सत्र 2023-24 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 25 और 26 जुलाई को आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षा का एडमिट कार्ड 20 जुलाई को विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। 25 जुलाई को डिप्लोमा इन फामेर्सी, बीसीए, एमबीए, एमबीए (बिजनेस एकोनामिक), एमबीए (फाइनेंस कंट्रोल), एमबीए (ई-कामर्स), (एमबीए एग्रीबिजनेस), एमबीए (एचआरडी), बीकाम (आनर्स) एवं 26 जुलाई को बीएससी (जूलाजी, बाटनी, केमिस्ट्री, इनवार्मेंटल साइंस, फिजिक्स, मैथस, केमिस्ट्री, जिओलाजी, माइक्रो बायलाजी) बीएससी (आनर्स) बायोटेक्नालाजी, बीएससी (आनर्स) पर्यावरण साइंस, बीए. एल.एल.बी. (आनर्स) पांच वर्षीय इंट्रिग्रेटेड कोर्स तथा एमसीए की प्रवेश परीक्षाएं होंगी। जिन विषयों में सीट से कम आवेदन आएं हैं उसका प्रवेश काउंसिलिंग, मेरिट के आधार पर 20 जुलाई से शुरू हो गया है। सभी परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के फामेर्सी संस्थान में कराई जाएंगी। प्रवेश परीक्षा की समय सारणी एवं विभागों के मोबाइल नंबर सहित समस्त जानकारी विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

नही रहे अति प्राचीन रामलीला कमेटी के संरक्षक सदस्य व वरिष्ठ चिकित्सक डा. सुरेश चंद्र राय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के वरिष्ठ चिकित्सक तथा अतिप्राचीन रामलीला कमेटी हरिशंकरी के संरक्षक सदस्य डा० सुरेश चंद्र राय का निधन 18 जुलाई दिन मंगलवार को उनके स्टीमरघाट स्थित आवास पर हो गया। उनका अंतिम संस्कार काशी के गंगा घाट पर पूरे विधि विधान से उनके परिजनों द्वारा किया गया। कमेटी के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी उर्फ बच्चा तिवारी ने बताया कि स्व० डा० सुरेश चंद्र राय जी 95 वर्ष के थे और कमेटी के संरक्षक सदस्य होने के साथ साथ कमेटी के कमेटी के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी निष्ठापूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे हैं, डाक्टर साहब के निधन की सूचना मिलने के बाद अति प्राचीन रामलीला कमेटी में दुःख का माहौल है, इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज दिनांक 20 जुलाई को हरिशंकरी चबूतरे पर सदस्यों ने दो मिनट का मौन रख कर प्रभु श्री राम से पुण्यात्मा के शांति की कामना किया।

बच्चों के भविष्य के लिये मील के पत्थर साबित होंगे प्राथमिक विद्यालय के स्मार्ट क्लासेज : दीनानाथ साहनी

प्रखर ब्यूरो मुहम्मदाबाद/गाजीपुर। शासन के मंशा के अनुरूप राज्य में प्राथमिक विद्यालयों के उत्थान के लिये जनपद गाजीपुर भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। बच्चों को टेक्निकली विकसित करने के लिये प्राथमिक अध्यापकों ने कक्षा को विकास के पथ पर लाने के लिए स्मार्ट क्लासेज की शुरूआत की है। दिन बुधवार को प्राथमिक विद्यालय नवापुरा, शिक्षा क्षेत्र मोहम्मदाबाद गाजीपुर में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी दीनानाथ साहनी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास के संचालन से बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा बच्चों को आईसीटी के माध्यम से सीखने के नए नए अवसर मिलेंगे और बच्चों में शैक्षिक अभिरुचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास की परिकल्पना शासन की योजना में प्राथमिकता पर है। कायाकल्प के माध्यम से बेसिक शिक्षा के लिए विद्यालयों का स्वरूप बदल रहा है। आज बेसिक के विद्यालयों में लोगों की अभिरुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की तरफ से यह एक अति सराहनीय कार्य किया गया है। इसके लिए विद्यालय परिवार बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर दिनेश कुमार भारतीय ने कहा कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। सहायक अध्यापक मोहम्मद इरफान ने कहा कि हमारे बच्चे प्रतिभावान हैं। इनमें असीम संभावनाओ का समावेश है। इन्हें सही मार्गदर्शन देकर इनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना हमारी प्राथमिकताओं में एक है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोवर हुसैन खान, सहायक अध्यापक मोहम्मद इरफान मनोज कुमार, राजीव कुमार ओझा, खुर्शीद आलम, राजीव रंजन, अब्दुल बारी व सभासद व राजू सिंह कुशवाहा व अन्य लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद इरफान ने किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत देश ने विश्व में विशेष स्थान प्राप्त किया है : एमएलसी विशाल सिंह चंचल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधान परिषद सदस्य गाजीपुर विशाल सिंह चंचल ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम उपरान्त विधानसभा सैदपुर क्षेत्र मे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 9 साल बेमिसाल, सेवा सुशासन और गरीब कल्याण सेवा कार्य बीतने उपरांत संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के निमित्त कुंदन सिंह समाजसेवी, जैनपुर तथा विनोद कुमार प्रजापति (प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी) नगर पंचायत सैदपुर के प्रतिष्ठान पर जाकर भेट कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन हेतु प्रेरित कर बुकलेट भेट किया। संपर्क के दौरान 9 वर्ष के कार्यकाल पर प्राकशित पुस्तक अन्य लोगो मे भी भेट किया। इस दौरान लोगो को संबोधित करते हुए एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत देश ने विश्व में विशेष स्थान प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीति व सैन्य नीति शानदार है, जिसके चलते देश तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। एमएलसी ने केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुए लोगों के बारे में बताया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के सफलतम कार्यकाल में गाजीपुर जिले में हुए विकास कार्यों पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व इकलौते ऐसे नेता है जो देश के प्रति समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा केंद्र सरकार की जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन में भेजी जाती हैं, वह किसी भी धर्म जाति के साथ भेदभाव न करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। सभी विरोधी दल एकजुट होकर प्रधानमंत्री के द्वारा चल रहे विकास के पहियों को रोकना चाहते हैं, लेकिन देश की जनता ने ठान लिया है कि प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर भारत को विश्वगुरु बनाना है। इस अवसर पर मण्डल महामंत्री शैलू सिंह, पूर्व सभासद संतोष सोनकर, नन्हकू प्रजापति, हनी प्रजापति, रविंद्र प्रजापति, मनोज यादव, कौशल सोनकर, रामदरश यादव, एमएलसी प्रतिनिधि डा. प्रदीप पाठक, अनूप जायसवाल, पवन सिंह, सुधीर पाटिल आदि लोग उपस्थित रहे।

ईट भट्ठों पर काम करने वाले बच्चों को दिलाएं उनका शिक्षा का अधिकार : बीएसए

प्रखर जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा.गोरखनाथ पटेल ने गुरुवार को जिले के सिकरारा विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय कूल्हनमऊ खास व कंपोजिट विद्यालय अलीगंज का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद वह सीधे गांव मे पहुंच गये। वहां ईंट भट्ठों पर झारखंड से आकर कामगारों के अस्थाई आवास पर जाकर दो दर्जन बच्चो का नामांकन उनकी आयु संगत कक्षाओं में कराया। उन्होंने कहा की सभी छह से चौदह वर्ष के बच्चो को उनका शिक्षा अधिकार दिलाना हमारा नैतिक और संविधानिक दायित्व है। कूल्हनामऊ नोना बस्ती में घर- घर जाकर अभिभावकों को प्रतिदिन स्कूल भेजने और विद्यालय में नामांकन कराने हेतु प्रेरित किया। खुद बच्चो का नामांकन करते हुए उनको बिस्किट, टाफी वितरित किया। इसके बाद कंपोजिट विद्यालय अलीगंज में भी आधा दर्जन बच्चो का नामांकन करते हुए वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व एआरपी सुशील उपाध्याय, अनुपम कुमार, शैलेश चतुर्वेदी, सुरेश कुमार, शैलेंद्र कुमार, शिक्षक संकुल सदस्य अनंत प्रसाद, सरिता चौरसिया, शिक्षक राजेंद्र प्रजापति, संतोष मिश्रा, बिंदु देवी के साथ समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राशन डीलरो का नवम्बर के पैसे का भुगतान जल्द : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी । आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी के नेतृत्व में सम्भागीय खाद्य नियंत्रक वाराणसी से मुलाकात करके मण्डल वाराणसी का माह नवम्बर 2022का जमा पैसे का भुगतान के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। महोदय द्वारा यह बताया गया कि मण्डल का 18करोड का भुगतान करना है जिसके सापेक्ष में एफ सी आई द्वारा 8करोड वापस किया गया है।बाकी पैसा आज कल मे और आ जायेगा।और सोमवार से आपलोगो का भुगतान कर दिया जायेगा। प्रतिनिधिमंडल में में जिला अध्यक्ष वाराणसी बह्मदेव मिश्रा प्रदेश सचिव अजय जायसवाल जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा ब्लाक अध्यक्ष हरहुआ सुक्खू प्रसाद साथ में मौजूद थे।

वैष्णवी महिला शक्ति सेवा ट्रस्ट एवं राखी क्रिएशन के तत्वाधान में प्राकृतिक रंगाई और इको प्रिंटिंग से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया

प्रखर वाराणसी। वैष्णवी महिला शक्ति सेवा ट्रस्ट के द्वारा 18 जुलाई 2023 से 19 जुलाई को राखी क्रिएशन एंड स्टूडियो और कर्नल संदीप शर्मा के सहयोग से प्राकृतिक रंगाई और इको प्रिंटिंग से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया रहा है। 20 जुलाई 2023 कार्यशाला में पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं और सामग्रियों को प्रोत्साहित करने में लगे प्रख्यात वक्ता और विद्वान एकत्र होंगे। हमारे ग्रह विशेष रूप से प्रकृति द्वारा सामना की जा रही समस्याओं के बीच फैशन कपड़ा उद्योग को प्रदूषण और 02 उत्सर्जन में सबसे अधिक योगदान देने वालों में से एक माना जाता है जो हमारे महासागरों वायु मिट्टी मानव शरीर और दिमाग और प्रकृति के सार को सामूहिक रूप से नष्ट कर रहा है। इन आर्थिक लाभों को देखते हुए समाज में योगदान करना हमारे लिए खुशी की बात होगी। कार्यशाला सुबह 11:30 बजे से आदर्श बाल विद्यालय पंचायत भवन ककरमत्ता बीएलडब्लू रोड वाराणसी पर शुरू हुई और इसका उद्घाटन राज्यसभा सदस्य श्रीमती सीमा द्विवेदी द्वारा किया जाएगा। हमारी कार्यशाला के कवरेज के लिए आप के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि यह वंचित और वंचित पृष्ठभूमि की विधवाओं और महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद और ज्ञानवर्धक अनुभव होगा यह परिचय निश्चित रूप से उन्हें अपना कौशल विकसित करने और रोजगार के अवसर को फायदा करने में मदद करेंगा।

एक ही परिवार में 25 दिन के अन्दर तीन मौत से हड़कंप

तीनों लोगों की मौत फंदे से लटककर होने से परिजनों में मचा कोहराम

प्रखर जौनपुर। शाहगंज क्षेत्र स्थित सुरिस गांव में बुधवार शाम को घर के कमरे में लगे पंखे से किशोरी का लटकता हुआ शव मिलने से खलबली मच गई। 25 दिन के भीतर परिवार के तीन लोगों की मौत फंदे से लटककर होने से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। सुरिस गांव निवासी कक्षा सात की छात्रा खुशी बिंद (13) पुत्री तीरथ बिंद शाम के समय घर में अकेली थी। परिवार के अन्य लोग खेत में काम करने के लिए गए थे। जब वापस लौटे तो छत पर लगे पंखे के हुक से उसका शव लटक रहा था। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंचे उपनिरीक्षक जनार्दन यादव व प्रभुनाथ यादव ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इससे पहले खुशी के चाचा मनोज पुत्र रामनाथ की 25 जून को मौत हुई थी। उन्होंने फंदा लगाकर जान दी थी। उनका दाह संस्कार हुए तेरह दिन भी नहीं बीता था कि परिवार की ही सुमन पुत्री सतीश ने नौ जुलाई को घर के अंदर फंदा लगा लिया। अब खुशी की मौत से परिवार में मातम छा गया। हलांकि स्थानीय पुलिस की टीम अब लगातार हो रही आत्महत्या की घटनाओ की तहकीकात करने में लगी हुई है। आखिर कारण क्या हो सकता है?

4 वारण्टी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सैदपुर के मार्गदर्शन में दिनांक 20 जुलाई 2023 को थाना खानपुर पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय ए0जे0एम0 सैदपुर गाजीपुर के आदेश के क्रम में वारन्टी/ अभियुक्तगण फौजदार पुत्र साधू, वकील पुत्र सेचन, राजा पुत्र सेचन व शिऊ पुत्र सागर नि0गण ग्राम गोपालापुर थाना खानपुर जनपद गाजीपुर सम्बन्धित फौ0मु0नं0 1158/92 धारा 147/323/427 भादवि न्यायालय ए0जे0एम0 सैदपुर गाजीपुर को दबिश देकर समय गिरफ्तार कर अन्य विधिक कार्यवाही थाना खानपुर द्वारा की जा रही है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं